



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 213]
No. 213]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 5, 2005/श्रावण 14, 1927
NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 5, 2005/SRAVANA 14, 1927

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)
(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)
अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 अगस्त, 2005

प्रारंभिक जांच परिणाम

विषय :—चीन जनवादी गणराज्य और स्वीडन मूल के अथवा वहां से निर्यातित पेंटाएरीथ्रिटोल के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच।
सं. 14/16/2004-डीजीएडी.—1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और उसकी सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं वसूली और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 के अंतर्गत:-

क. प्रक्रिया

1. जांच के संबंध में नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है:-

(i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात प्राधिकारी भी कहा गया है) को उपरोक्त नियमों के अंतर्गत घरेलू उद्योग की ओर से मैसर्स कनोरिया कैमिकल्स एवं इण्डस्ट्रीज लि० से लिखित आवेदन प्राप्त हुआ था जिसमें चीन जनवादी गणराज्य और स्वीडन (जिन्हें एतदपश्चात संबद्ध देश भी कहा गया है) मूल के अथवा वहां से निर्यातित पेन्टाएरीथ्रिटोल (जिसे एतदपश्चात संबद्ध वस्तु अथवा पेन्टा भी कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया था।

(ii) याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत आवेदन की प्रारंभिक जांच में कतिपय कमियां प्रकट हुई थी जिन्हें बाद में याचिकाकर्ता द्वारा ठीक कर दिया गया था। अतः याचिका को विधिवत प्रलेखित माना गया था।

(iii) प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर चीन जनवादी गणराज्य और स्वीडन मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों से संबंधित जांच शुरू करना उचित पाया। प्राधिकारी ने नियमों के उप-नियम 5(5) के अनुसार जांच की कार्रवाई शुरू करने से पहले पाटन के आरोप की प्राप्ति के विषय में नई दिल्ली में चीन जनवादी गणराज्य के दूतावास और यूरोपीय संघ के प्रतिनिधि को सूचित किया।

(iv) प्राधिकारी ने 4.2.2005 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया था जिसके द्वारा चीन जनवादी गणराज्य और स्वीडन मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच शुरू की गयी थी जो सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची-1 के अध्याय 29 के अंतर्गत वर्गीकृत है।

(v) प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की एक प्रति सभी ज्ञात निर्यातकों (जिनका ब्यौरा आवेदक द्वारा उपलब्ध करवाया गया था) को भेजी और नियम 6(2) के अनुसार उन्हें पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर लिखित रूप में अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर दिया।

(vi) प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भारत में संबद्ध वस्तु के सभी ज्ञात आयातकों (जिनका ब्यौरा आवेदक द्वारा उपलब्ध करवाया गया था) को भेजी और उन्हें नियम 6(2) के अनुसार पत्र जारी होने की तारीख से चालीस दिनों के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने की सलाह दी गयी थी।

(vii) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमाशुल्क बोर्ड (सीबीईसी) और वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय, कोलकाता से भी अनुरोध किया गया कि वह जांच की अवधि सहित पिछले 3 वर्षों के दौरान भारत में किए गए संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरे प्रस्तुत करें।

(viii) प्राधिकारी ने उक्त नियम 6(3) के अनुसार याचिका की एक प्रति संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों तथा दूतावास/क्षेत्र को प्रदान की। जहां अनुरोध किया गया वहां अन्य हितबद्ध पक्षकारों को अगोपनीय याचिका की एक प्रति भी प्रदान की गयी थी।

(ix) प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार अपेक्षित जानकारी प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों को एक प्रश्नावली भेजी:

1. मैसर्स हुबेई यिहुआ ग्रुप लिमिटेड लायबिल्टी कं., चीन जन. गणराज्य
2. मैसर्स गुइझो क्रीस्टल कैमिकल क.लि., चीन जन. गणराज्य
3. मैसर्स चाईना नेशनल कैमिकल कन्सट्रक्शन कारपोरेशन, चीन जन. गण.
4. मैसर्स परसटार्थ स्पेशिलिटी कैमिकल्स, स्वीडन

(x) प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार एक प्रश्नावली संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों को संगत सूचना मांगने के लिए भेजी:-

1. मैसर्स विबर्गीयर पेंट्स प्रा0 लि0, मुम्बई
2. मैसर्स सनमान ट्रेड इम्पेक्स प्रा0 लि0 मुम्बई
3. मैसर्स सरफ कैमिकल्स लि0, मुम्बई
4. मैसर्स अल्कोन इन्टरप्राइजेज, कोलकाता
5. मैसर्स ए.वी.एम सेल्स प्रा0 लि0, कोलकाता

6. मैसर्स सीबा स्पेशलिटी कैमिकल्स (इंडिया), लि०, मुम्बई
7. मैसर्स डेको पेंट्स, हैदराबाद
8. मैसर्स दुजोडवाला पेपर कैमिकल्स लि०, रायगढ़
9. मैसर्स गार्गी इंडस्ट्रीज प्रोप, नवी मुम्बई
10. मैसर्स मित्सु इण्डस्ट्रीज लि०, मुम्बई
11. मैसर्स रेजिन्स एवं पिगमेंट्स, पियाम्पुर (म.प्र.)
12. मैसर्स कैमी कलर एजेंसी, कोलकाता
13. मैसर्स शालीमार पेंट्स लि०., हावड़ा
14. मैसर्स दुजोडवाला पेपर कैमिकल्स, मुम्बई
15. मैसर्स ईस्टकोर्प इन्टरनेशनल, कोलकाता
16. मैसर्स गरवारे पॉलिस्टर लि०, मुम्बई
17. मैसर्स एच.आर. ट्रेडिंग कं. प्रा. लि., मुम्बई
18. मैसर्स लिओ कैमोप्लास्ट प्रा० लि०, मुम्बई
19. मैसर्स समीर डाई कैम, मुम्बई
20. मैसर्स बर्जर पेंट्स इंडिया, लि०, मुम्बई
21. मैसर्स सेन्चुरी इंका लि०, मुम्बई
22. मैसर्स एडीशन पेंट्स कैमिकल्स, चेन्नई
23. मैसर्स कोट्स ऑफ इंडिया लि०, मुम्बई
24. मैसर्स हार्डकैसल एण्ड वौल मैन्युफैक्चरिंग कं. लि., मुम्बई
25. मैसर्स गुडलास नेरोलैक पेंट्स लि०, मुम्बई
26. मैसर्स हीरो डाई कैम इण्डस्ट्रीज, मुम्बई
27. मैसर्स हिन्दुस्तान इंक्स एण्ड रेजिंस लि., मुम्बई
28. मैसर्स आई वीपी लि., थाणे
29. मैसर्स जेन्सन एण्ड निकोलस (आई) लि०, कोलकाता
30. मैसर्स पारस डाइस एण्ड कैमिकल्स, मुम्बई
31. मैसर्स परस्टोर्प ऐजीज कैमिकल्स प्रा० लि०, वल्साड

(xi) बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी एक प्रश्नावली सभी ज्ञात निर्यातकों और ब्यूरो ऑफ ट्रेड फेयर (बीओएफटी), चीन सरकार को भेजी गयी थी। जबकि चीन जन.गण. में सामान्य मूल्य शुरू करने के प्रयोजनार्थ चीन जन. गण. में संबद्ध माल के उत्पादन की परिकलित लागत के आधार पर विचार किया गया था। प्राधिकारी ज्ञात निर्यातकों को सूचित करते हैं कि यथा संशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा -7 और 8 के आलोक में आवेदक के दावे की जांच करने का प्रस्ताव करते हैं। अतः चीन जन० गण० के संबद्ध माल के संबंधित निर्यातक/उत्पादक से पैराग्राफ 8 के उप-पैराग्राफ (3) में यथा उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था ताकि प्राधिकारी इस तथ्य पर विचार कर सकें कि क्या उन सहयोगी निर्यातक/उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रदान किया जाय जो यह प्रदर्शित कर सकें कि वे उपर्युक्त पैराग्राफ में निर्धारित मापदण्ड को पूरा करते हैं।

(xii) निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा प्रश्नावली/अधिसूचना का उत्तर/सूचना प्रस्तुत की गयी थी:-

1. मैसर्स सिनोचेम जियांग्स इम्पोर्ट एण्ड एक्सपोर्ट कारपोरेशन, चीन जन० गण० (जिसे एतदपश्चात् सिनोचेम कहा गया है)

2. मैसर्स हुबेई यिहुआ कैमिकल इण्डस्ट्री क० लि०, चीन जन.गण. (जिसे एतदपश्चात् हुबेई कहा गया है)
3. मैसर्स शांपी सानवेई ग्रुप क० लि०, चीन जन.गण. (जिसे एतदपश्चात् शांपी कहा गया है)
4. मैसर्स परस्ट्रोप स्पेशलिटी कैमिकल्स एबी, स्वीडन (जिसे एतदपश्चात् परस्ट्रोप कहा गया है)

(xiii) निम्नलिखित आयातकों/प्रयोक्ता/संघों द्वारा प्रश्नावली/अधिसूचना का उत्तर/सूचना प्रस्तुत की गयी थीं

1. मैसर्स गूडलास नेरोलैक पेन्ट लि०

(xiv) क्षति के बारे में सूचना आवेदक और अन्य घरेलू उत्पादकों से भी मांगी गयी थी ।

(xv) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय अंश उसके द्वारा रखी गयी सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध रखें और उसे नियम 6(7) के अनुसार हितबद्ध पार्टियों के निरीक्षण हेतु खुला रखा ।

(xvi) आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना और सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के आधार पर उत्पादन की ईष्टतम लागत तथा भारत में संबद्ध वस्तु को बनाने और बेचने की लागत निकालने के लिए जांच की लागत निकाली गयी थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या घरेलू उद्योग को हुई क्षति की समाप्ति के लिए पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क पर्याप्त होगा ।

(xvii) **** से इस अधिसूचना में हितबद्ध पार्टियों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का पता चलता है और प्राधिकारी ने नियमानुसार गुण-दोष के आधार पर उसे गोपनीय ही माना है ।

(xviii) जाँच में 1 अक्टूबर, 2003 से 30 सितम्बर, 2004 तक (12 महीने) की अवधि अर्थात् जाँच अवधि (पीओआई) शामिल थी । क्षति विश्लेषण के संबंध में रुझानों की जाँच में अप्रैल, 2001, मार्च, 2002, अप्रैल 2002-मार्च, 2003 और अप्रैल, 2003- मार्च, 2004 और जाँच अवधि शामिल थी

(ख) विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

2. वर्तमान आवेदन में विचाराधीन उत्पाद चीन जन० गण० और स्वीडन के मूल की अथवा वहां से निर्यातित पेंटाएरीथ्रिटोल है । इसका अनुप्रयोग अल्काइड रेजिन, रेजिन इस्टर्स, प्लास्टि साइजर्स, मुद्रण स्याही, सिंथेटिक रबड़, प्लास्टिक के स्टेब्लाइजर, मोडिफाइड ड्राईंग आयल्स, डिटोनेटर्स, विस्फोटकों, भेषजों, कोर ऑयलों और सिंथेटिक लुब्रिकेंट में किया जाता है । इसका वर्गीकरण सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 29 के अंतर्गत सीमाशुल्क उप-शीर्ष 2905.42 के अंतर्गत किया गया है । तथापि, यह वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और वर्तमान जांच पर किसी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है ।

3. इसका उत्पादन इलैक्ट्रालिसिस सेपरेशन टेक्नालॉजी अथवा फ्रैक्शनल क्रिस्टालिजेशन टेक्नॉलॉजी द्वारा किया जा सकता है । तथापि, इन दो प्रौद्योगिकियों द्वारा उत्पादित उत्पाद के गुणधर्मों में कोई अंतर नहीं है । यह टेक्निकल ग्रेड अथवा नाइट्रेट ग्रेड का हो सकता है । दोनों ग्रेडों का उत्पादन एक ही प्रक्रिया से किया जाता है । तथापि, उत्पाद का विश्लेषणात्मक जांच की अवस्था में उत्पादन के पश्चात् मात्र ग्रेडेशन

का मामला रह जाता है। 'पेन्टाएरीथ्रीटोल' की उत्पत्ति 'एरिथ्रीटोल' से हुई है जो चार हाइड्रोक्साइल समूह की उपस्थिति दर्शाता है और उपसर्ग 'पेन्टा' यह प्रदर्शित करता है कि अणु में पांच कार्बन परमाणु हैं। पेन्टाएरीथ्रीटोल का विनिर्माण एल्कालीन कन्डेंसिंग एजेंट की उपस्थिति में एक्वायस चरण में एसीटाल्डीहाइड एवं फोर्माल्डीहाइड की प्रतिक्रिया द्वारा किया जाता है। उत्पाद की विशिष्टताओं का वर्णन उपस्थिति, मोनोपेन्टाएरीथ्रीटोल के तत्व, घुलन बिन्दु और भस्म की मात्रा इत्यादि के अनुसार किया जाता है। आवेदक यह दावा करता है कि उत्पादक जैसे परस्ट्रोप्स एजिस इन दो ग्रेडों में से एक ग्रेड का उत्पादन नहीं करता है और न ही इस प्रकार का उत्पादक इसमें से किसी एक ग्रेड के उत्पादन पर नियंत्रण रख सकता है। तथापि, आवेदक जैसा उत्पादक कुछ सीमा तक नाइट्रेशन ग्रेड के उत्पादन को विनियमित कर सकता है, जो मांग पर निर्भर करेगा। पेन्टाएरीथ्रीटोल जिसकी शुद्धता 98% से अधिक है और इसमें बेतर क्राइटल निर्माण हो सकता है, का प्रयोग विस्फोटक उद्योग में किया जा सकता है और इसलिए इसका निर्माण वाणिज्यिक क्षेत्र में 'नाइट्रेशन ग्रेड' के रूप में किया गया है। तथापि, पेन्टाएरीथ्रीटोल जिसे 'नाइट्रेशन ग्रेड' कहा जाता है, का प्रयोग अल्काइड रेजिन्स और अन्य उत्पादों (जहां अन्य ग्रेड 'तकनीकी ग्रेड' पेन्टाएरीथ्रीटोल का प्रयोग किया जाता है) घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि तथापि इस उत्पादन प्रक्रिया से 'तकनीकी ग्रेड' का उत्पादन होता है और 2% से कम का नाइट्रेशन के ग्रेड में उत्पादन होता है जबकि डाइपेंटा का उत्पादन 0.5% से कम है। आईएसआई विशिष्टताओं के अनुसार, मोनोपेन्टाएरीथ्रीटोल कम से कम 92% डब्ल्यू/डब्ल्यू होना चाहिए और यह डाइपेन्टाएरीथ्रीटोल जो वर्तमान आवेदन के दायर से बाहर है, से भिन्न है।

4. आवेदक ने निवेदन किया है कि पर्सटॉर्प द्वारा भारत में बेचा जा रहा उत्पाद तकनीकी पेन्टाएरीथ्रीटोल 95% है जो विभिन्न शुद्धताओं वाले दो पेन्टाएरीथ्रीटोल अर्थात् तकनीकी पेन्टाएरीथ्रीटोल 88% (30%) और पेन्टाएरीथ्रीटोल मोनो ग्रेड 98% (70%) का मिश्रण है। इसके अतिरिक्त उन्होंने तर्क दिया है कि विभिन्न उपभोक्ताओं को अपनी प्रक्रिया संबंधी अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए अलग-अलग शुद्धता, संघटकों तथा संगलन बिन्दुओं वाले पेन्टाएरीथ्रीटोल की आवश्यकता होती है और उपभोक्ताओं को उनके अपेक्षित मापदण्डों वाले उत्पाद की आपूर्ति उत्पाद के मिश्रण द्वारा की जा रही है। मोनो पेन्टाएरीथ्रीटोल 89% वाले पेन्टाएरीथ्रीटोल तकनीकी ग्रेड का प्रयोग मोनो पेन्टाएरीथ्रीटोल 98% वाले पेन्टाएरीथ्रीटोल (मोनो) ग्रेड से विनिर्मित उत्पादों के समान उत्पादों के विनिर्माण में किया जाता है। पेन्टाएरीथ्रीटोल (अधिकतर मोनोपेंटा के रूप में पारिभाषित) तथा अन्य संघटकों की शुद्धता उत्पाद के विनिर्माण के लिए प्रयुक्त आणविक अनुपात तथा अन्य प्रक्रियात्मक परिस्थितियों के अनुसार अलग-अलग होती है। पेन्टाएरीथ्रीटोल की शुद्धता कम से कम 92% से लेकर अधिकतम 98% तक होती है। भिन्न-भिन्न शुद्धताओं वाले पेन्टाएरीथ्रीटोल समान उत्पाद की भांति हैं और वे वर्तमान जाँच के दायरे के भीतर हैं। पर्सटॉर्प ने निवेदन किया है कि वे भारत में संबद्ध वस्तु के प्रमुख घरेलू उत्पादक हैं और मोनो पेन्टा 98% तथा तकनीकी पेन्टा 89-90% जैसी कच्ची सामग्रियों का स्वीडन से आयात करके तकनीकी पेन्टा 95% का विनिर्माण करते हैं। उन्होंने यह भी तर्क दिया है कि ये सभी तीन पेन्टा विभिन्न ग्रेडों के हैं जिन्हें विचाराधीन उत्पाद के तहत शामिल किया गया है। उन्होंने निवेदन किया है कि आयातित कच्ची सामग्री का आबद्ध रूप से उपभोग पेन्टा 95 के विनिर्माण में किया जाता है इसलिए उक्त कच्ची सामग्री के आयात से किसी अन्य घरेलू उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ सकता है।

5. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दायर किए गए निवेदनों की जाँच करने पर प्राधिकारी नोट करते हैं कि पर्सटॉर्प एजिस के इस दावे को साक्ष्यों से प्रमाणित नहीं किया गया था कि आयातित कच्ची सामग्री का जाँचाधीन संबद्ध वस्तु के विनिर्माण के लिए प्रसंस्करण किया जाता है और घरेलू उद्योग के सत्यापन के दौरान यह पाया गया था कि पेंट उद्योग द्वारा 89% -98% तक के विभिन्न शुद्धियों वाले पेन्टा का उपयोग किया गया था। घरेलू उद्योग ने पेन्टा (सभी ग्रेड) के लिए एसआईओएन मानदण्ड निर्धारित किए हैं जिसका निहितार्थ यह है कि पेन्टा के विभिन्न ग्रेड समान उत्पाद हैं और प्रयोक्ता उद्योग से उत्तर के बाद इसे पूरा भी

किया गया था। इस विषय पर उपलब्ध तकनीकी साहित्य में पेंटायरीथिटोल और डाइपेंटायरीथिटोल को, न कि मोनोपेंटा और तकनीकी पेंटा को, दो अलग-अलग उत्पाद के रूप में माना गया है और किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने मोनो पेंटा तथा तकनीकी पेंटा के दो अलग-अलग उत्पाद होने के संबंध में साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पेंटायरीथिटोल दो ग्रेड अर्थात् तकनीकी ग्रेडर (टीजी) या नाइट्रेशन ग्रेड (एनजी) का हो सकता है, तथापि तकनीकी ग्रेड पेंटा और नाइट्रेशन ग्रेड पेंटा के बीच कोई वास्तविक अंतर नहीं है और दोनों ग्रेडों का उत्पादन एक ही प्रक्रिया से किया जाता है। यह केवल ग्रेडेशन का मामला है जो उत्पाद की विश्लेषणात्मक जाँच के चरण में किया जाता है। घरेलू उद्योग की लागत तथा बिक्री सूचना के सत्यापन की प्रक्रिया के दौरान उनकी बिक्री एवं उत्पाद शुल्क बहियों से यह स्थापित हुआ था कि पेंट उद्योग द्वारा उनके विनिर्माण सेट-अप में भिन्न-भिन्न शुद्धियों वाले पेंटा का प्रयोग किया जा रहा है। सत्यापन दौर के दौरान घरेलू उद्योग ने दर्शाया था कि उत्पादन प्रक्रिया के दौरान पेंटा के समग्र उत्पादन का 2% से भी कम नाइट्रेशन ग्रेड का होता है जबकि 97% से अधिक तकनीकी ग्रेड का होता है और पाटनरोधी नियमावली के अर्थ के भीतर वे समान उत्पाद हैं। प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर यह नोट किया गया है कि केवल नाम के साथ शुद्धता (जो 92% - 98% के बीच में होती है) में परिवर्तन करने से आयातित उत्पाद विचाराधीन उत्पाद, पेंटायरीथिटोल से भिन्न नहीं हो जाता है। यह भी नोट किया गया है कि यद्यपि पेरसटॉर्प द्वारा पुनर्बिक्री किया गया उत्पाद आयातित उत्पाद से भिन्न है और बिक्री के पूर्व उसका प्रसंस्करण किया गया हो सकता है, तथापि पुनर्बिक्री किया गया उत्पाद पेंटायरीथिटोल ही है और पेरसटॉर्प, इंडिया द्वारा ऐसा कोई सत्यापन-योग्य साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया जिससे यह स्थापित हो सके कि आयातित उत्पाद और पुनर्बिक्री किया गया उत्पाद पाटनरोधी नियमावली के अर्थ के भीतर समान उत्पाद नहीं हैं।

6. पाटनरोधी नियम के नियम 2(घ) में यह विनिर्दिष्ट किया गया है कि "समान वस्तु" एक ऐसी वस्तु है जो हर तरह से जाँचाधीन उत्पाद अथवा किसी वस्तु के अभाव में कोई दूसरी वस्तु जिसमें जाँच के अधीन वस्तुओं से अत्यधिक मिलती जुलती विशेषताएँ हैं, के समान या समनुरूप है। घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तु और संबद्ध देशों से आयातित उत्पाद के बीच कोई अंतर नहीं पाया गया। आवेदक द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु आयातित उत्पाद से वाणिज्यिक एवं तकनीकी रूप से प्रतिस्थापनीय है और इस प्रकार समान उत्पाद की शर्त पूरी होती है। इसलिए प्राधिकारी ने माना कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु और संबद्ध देशों से निर्यातित वस्तु पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) के अर्थ के भीतर समान वस्तुएँ हैं।

ग. घरेलू उद्योग

7. मै0 कमोरिया रसायन एवं उद्योग लि0 ने घरेलू उद्योग की ओर से आवेदन दायर किया है। यह एक बहु-उत्पाद कम्पनी है और कई उत्पादों के उत्पादन में शामिल है। आवेदक ने पिछले तीन वर्षों में संबद्ध वस्तु का आयात नहीं किया है और वे कई देशों में संबद्ध वस्तु का निर्यात कर रहे हैं।

8. आवेदक ने निवेदन किया है कि मै0 पेरसटॉर्प एजिस संबद्ध वस्तु के उत्पादक हैं तथापि वे स्वीडन से संबद्ध वस्तु के प्रमुख आयातक हैं और स्वीडन के एकमात्र उत्पादक/निर्यातक से संबंधित हैं। घरेलू उत्पादक के निर्यातक/आयातक से संबंधों की जाँच निम्नलिखित को ध्यान में रखते हुए की जानी है :-

(क) उनमें से एक दूसरे को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से नियंत्रित करता है; या

(ख) किसी तीसरे व्यक्ति द्वारा दोनों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से नियंत्रित किया जाता है; या

(ग) दोनों मिलकर तीसरे व्यक्ति को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से नियंत्रित करते हैं बशर्ते कि ये मानके अथवा संशय करने का आधार हो कि संबंधों का प्रभाव ऐसा है कि उत्पादकों का व्यवहार असंबंधित उत्पादकों से अलग है और अंततः

(घ) किसी उत्पादक को दूसरे उत्पादक को नियंत्रित करने वाला माना जाएगा जब पहला कानूनी या प्रचालनात्मक रूप से दूसरे को नियंत्रित करने अथवा निर्देशित करने की स्थिति में हो।

9. प्राधिकारी ने इस बात की जाँच की और नोट किया कि पेसटार्प एजिस, जो संबद्ध वस्तु के उत्पादकों में से एक हैं, पेर्सटॉर्प, स्वीडन से संबद्ध एक आयातक हैं, इसलिए प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के घटकों से पेर्सटॉर्प, इंडिया को बाहर रखना उचित पाया। एशियन पेंट्स एक अन्य उत्पादक हैं जो अपनी आबद्ध अपेक्षाओं के लिए उत्पाद का पर्याप्त रूप से उत्पादन करते हैं। याचिकाकर्ता ने एशियन पेंट्स के उत्पादन को बाहर रखने का अनुरोध किया है क्योंकि एशियन पेंट्स का उत्पादन व्यापार बाजार में प्रतिस्पर्धा नहीं करता है और भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तु के ऐसे पाटन से एशियन पेंट्स को अधिक क्षति नहीं हुई है। प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता की स्थिति के निर्धारण के लिए इस चरण में एशियन पेंट्स के उत्पादन को छोड़ देने को उचित माना है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियम 2(ख) के मद्देनजर पेर्सटॉर्प, स्वीडन और पेर्सटॉर्प एजिस, इंडिया एक-दूसरे से संबंधित हैं क्योंकि पेर्सटॉर्प, इंडिया पेर्सटॉर्प, स्वीडन की सहायक कम्पनी है और इसलिए पेर्सटॉर्प, स्वीडन परवर्ती को नियंत्रित करने की स्थिति में है। प्राधिकारी इस चरण में घरेलू उद्योग के घटक के रूप में पेर्सटॉर्प, इंडिया को बाहर रखने को उचित मानते हैं। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह मानते हैं कि याचिकाकर्ता स्थिति संबंधी अपेक्षित मापदण्ड को पूरा करते हैं और पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(क) और (ख) तथा 2(ख) की अपेक्षानुसार वे घरेलू उद्योग हैं।

घ. अन्य मुद्दे

घ.1 संबद्ध देश के रूप में यूरोपीय संघ के बजाय केवल स्वीडन क्यों

10. मै0 पेर्सटॉर्प ने तर्क दिया है कि पूरे यूरोपीय संघ के बदले केवल एक देश के विरुद्ध पाटनरोधी जाँच शुरू करके निर्दिष्ट प्राधिकारी ने गलती की है। प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकार के तर्कों की जाँच की है और वे नोट करते हैं कि चूँकि प्राधिकारी ने यह जाँच एक देश के विरुद्ध लिखित शिकायत के आधार पर प्रारंभ की है इसलिए स्वयं कोई और देश शामिल करना या देशों के दायरे को बढ़ाना उचित नहीं है। प्राधिकारी घरेलू उद्योग द्वारा दायर की गई याचिका के आधार पर जाँच करते हैं और प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध कराए गए प्रथम दृष्टया साक्ष्यों के आधार पर यह जाँच प्रारंभ की गई है। प्राधिकारी का निर्णय आवेदक द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना पर आधारित होता है और वही सूचना पाटनरोधी जाँच शुरू करने के उनके अनुरोध पर विचार करने के लिए साक्ष्य बनती है। पाटनरोधी नियमावली तथा करार में जगह-जगह पर देश और क्षेत्र दोनों का प्रयोग किया गया है और स्वीडन तथा ईयू दोनों ही डब्ल्यूटीओ के सदस्य हैं इसलिए हितबद्ध पक्षकारों का तर्क औचित्यपूर्ण नहीं है।

घ.2 जाँच शुरूआत के विरुद्ध अपील

11. पेसटार्प एजिस, इंडिया ने इन आधारों पर पाटनरोधी जाँच को चुनौती देते हुए माननीय मुम्बई उच्च न्यायालय के समक्ष प्राधिकारी द्वारा जाँच शुरूआत के विरुद्ध एक अपील दायर की थी कि (क) वह पेर्सटॉर्प,

स्वीडन से संबंधित नहीं है; (ख) आयातित उत्पाद भारत में पुनः बिक्री किए गए उत्पाद से भिन्न है। माननीय उच्च न्यायालय का विचार यह है कि रिकॉर्ड की गई सामग्री पर विचार करने के पश्चात् प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के घटक के रूप में पेरसटॉर्प को बाहर रखते हुए चीन जन.गण. तथा स्वीडन के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित पेंटायरीथ्रिटोल के संबंध में पाटनरोधी जाँच प्रारंभ की थी। माननीय न्यायालय ने इस आधार पर कि प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर जाँच की शुरुआत की गई है, प्राधिकारी की कार्यवाही को उचित ठहराया है और कहा है कि यह स्थापित करना पेरसटॉर्प के ऊपर है कि स्वीडन से पेंटायरीथ्रिटोल का कोई पाटन नहीं हुआ है और स्वीडन से ऐसे आयातों से घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है।

ड. पाटन मार्जिन के परिकलन और बाजार अर्थव्यवस्था की जाँच की प्रक्रिया

ड.1 घरेलू उद्योग के विचार

12. घरेलू उद्योग के विचारों का सार निम्नानुसार है :-

(i) घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि चीन एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है और भारतीय निर्दिष्ट प्राधिकारी ने भी पाटनरोधी जाँचों में चीन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना है। इसी प्रकार, अमरीका और यूरोपीय आयोग ने भी पाटनरोधी जाँचों में चीन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना है।

(ii) इस जाँच में तीन चीनी कम्पनियों ने बाजार अर्थ-व्यवस्था व्यवहार के अपने दावे के लिए निर्यातक प्रश्नावली और एमईटी प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है। मै0 शांक्सी, संबद्ध वस्तु के उत्पादक और निर्यातक ने निर्यातक प्रश्नावली और एमईटी प्रश्नावली, दोनों का उत्तर प्रस्तुत किया है। इसके अतिरिक्त उन्होंने तर्क दिया है कि मूल कम्पनी में राज्य के स्वामित्व वाली कम्पनियों की प्रमुख शेयर धारिता है। चूँकि प्रमुख शेयरधारिता राज्य के स्वामित्व वाली कम्पनियों के हाथ में है इसलिए राज्य के हस्तक्षेप एवं सम्मिलित होने से इंकार नहीं किया जा सकता, अतः बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रदान नहीं किया जाना चाहिए और सामान्य मूल्य का परिकलन पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार किया जाए। दूसरी चीनी कम्पनी मै0 ह्युबेई ने भी निर्यातक तथा एमईटी प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है और बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा किया है। उन्होंने तर्क दिया है कि मूल कम्पनी में राज्य के स्वामित्व वाली कम्पनियों की प्रमुख शेयरधारिता है इसलिए निर्णय लेने और कच्ची सामग्री आपूर्तियों की खरीद में उनके शामिल होने से इंकार नहीं किया जा सकता है। तीसरी कम्पनी मै0 साइनोकेम जियांग्सु आयात एवं निर्यात कं0, जो संबद्ध वस्तु की निर्यातक है, ने अपूर्ण तथा अपर्याप्त अगोपनीय प्रस्तुतीकरण दायर किया है और बाजार अर्थ-व्यवस्था व्यवहार के लिए अपना दावा भी दायर नहीं किया है। उन्होंने यह भी अनुरोध किया है कि संबद्ध वस्तु के विनिर्माता ने प्राधिकारी के समक्ष निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है इसलिए विनिर्माता की घरेलू बिक्री कीमत अथवा उत्पादन लागत की अनुपस्थिति में सामान्य मूल्य का निर्धारण नहीं किया जा सकता है। घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि ये चीनी कम्पनियाँ गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली कम्पनियाँ हैं इसलिए बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के उनके दावे को अस्वीकार किया जाए और सामान्य मूल्य का परिकलन पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार किया जाए।

ड.2 प्राधिकारी द्वारा जांच

13. प्राधिकारी ने धारा 9 क (1) (ग) के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ सभी ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली की प्रतियां भेजीं। तीन उत्पादक/निर्यातक से उत्तर प्राप्त हुए हैं और उन्होंने इस आधार पर कि वे अपने व्यावसायिक कार्यकलाप पर राज्य के किसी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष हस्तक्षेप के बिना, देश की वर्तमान अर्थव्यवस्था संबंधी स्थिति पर ध्यान न देते हुए, बाजार अर्थव्यवस्था परिस्थितियों के अधीन कार्य कर रहे हैं, बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार की मांग की है। प्रश्नावली/अधिसूचना हेतु निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा उत्तर/सूचना दायर की गयी थी-

- (i) मै0 सिनोकेम जियांग्सू इंपोर्ट एवं एक्सपोर्ट कॉर्पोरेशन, चीन जन.गण (एतदपश्चात् इसे सिनोकेम कहा जाएगा)
- (ii) मै0 हुबेई यिहुआ केमिकल इंडस्ट्री कं. लि., चीन जन गण (एतदपश्चात् इसे हुबेई कहा जाएगा)
- (iii) मै0 शांगजी सान्वेई ग्रुप कं. लि., चीन जन. गण. (एतदपश्चात् इसे शांगजी कहा जाएगा)

14. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8(2) के अनुसार, सामान्य मूल्य का आकलन करने के प्रयोजनार्थ, इस अनुमान के साथ अपनी कार्यवाही प्रारंभ की कि कोई भी देश जिसे पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ निर्दिष्ट प्राधिकारी अथवा किसी डब्ल्यू टी ओ सदस्य देश के सक्षम प्राधिकारी द्वारा जांच की अवधि से तीन वर्ष पूर्व तक गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश निर्धारित किया गया अथवा माना गया था, वह एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है। पिछले तीन वर्षों के दौरान चीन जन.गण. को ई यू तथा अमरीका जैसे डब्ल्यू टी ओ सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जांचों में एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था देश माना गया है। वर्तमान मामले में, चीन जन. गण. ने एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में अपनी जांच करवाने का प्रस्ताव रखा है।

15. चीन जन.गण. के मूल के आयातों संबंधी पाटनरोधी जांचों में सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 और 8 के अनुसार किया जाएगा। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 में यह प्रावधान है कि:

" गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत अथवा परिकलित मूल्य के आधार पर या ऐसे किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत के आधार पर किया जाएगा, या जहाँ यह संभव नहीं है, वहाँ सामान्य मूल्य का निर्धारण ऐसे अन्य उचित आधार पर किया जाएगा जिसमें उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए आवश्यकतानुसार विधिवत् समायोजित समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तविक रूप से संदत्त या संदेय कीमत शामिल होती है। "

इसके अतिरिक्त पाटनरोधी नियमावली (यथा संशोधित) के अनुबंध-1 के पैरा 8 में यह प्रावधान है कि:

8 (1) " गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश " शब्द का अभिप्राय यह है कि कोई देश जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी इस रूप में निर्धारित करें कि वह देश उप-पैरा (3) में निर्दिष्ट मानदंड के अनुसार लागत के बाजार सिद्धांतों अथवा कीमत निर्धारण ढांचे पर प्रचालन नहीं कर रहा है जिससे ऐसे देश में पण्य वस्तुओं की बिक्रियां पण्य वस्तुओं के उचित मूल्य को प्रदर्शित न करती हों।

(2) यह एक परिकल्पना होगी कि कोई देश जिसे जांच से पहले के तीन वर्ष के दौरान पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ निर्दिष्ट प्राधिकारी अथवा डब्ल्यू टी ओ के किसी सदस्य देश के सक्षम प्राधिकारी द्वारा गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना गया है अथवा समझा गया है एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है।

बशर्ते, तथापि गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश अथवा ऐसे देश की संबंधित फर्म विनिर्दिष्ट प्राधिकारी को सूचना तथा साक्ष्य उपलब्ध कराकर ऐसी परिकल्पना का खंडन कर सकते हैं जो यह साबित करे कि ऐसा देश उप-पैरा (3) में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश नहीं है। ”

16. यह नोट किया गया है कि चीनी कंपनियों ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8(3) के अनुसार सूचना/साक्ष्य उपलब्ध कराए हैं ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मानदंडों पर विचार कर सकें कि क्या;

(क) प्रौद्योगिकी की कच्ची सामग्रियों की लागत और श्रम, निविष्टि बिक्रियां और निवेश समेत कीमतों, लागतों और निविष्टियों के बारे में ऐसे देश में संबंधित फर्मों का निर्णय ऐसे बाजारी संकेतों के अनुसार किया जाता है जिसमें आपूर्ति और मांग परिलक्षित होती है और इस बारे में राज्य के अधिक हस्तक्षेप के बिना क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत बाजार मूल्यों को पर्याप्त रूप से प्रदर्शित करती है;

(ख) इस प्रकार की फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति विशेषकर परिसम्पत्तियों के मूल्य ह्रास, अन्य बूटे खातों, वस्तु विनिमय-व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संदर्भ में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली प्रणाली से हुई महत्वपूर्ण विकृतियों के अध्यधीन है;

(ग) इस प्रकार की फर्में दिवालियापन और सम्पत्ति कानूनों के अध्यधीन हैं जो फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं; और

(घ) विनिमय दर का परिवर्तन बाजार की दर पर किया जाता है।

मै0 शांगजी सान्चेई ग्रुप कं. लि., चीन जन.गण.

17. चीनी निर्यातक ने तर्क दिया है कि चीन के आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को पहुँची क्षति की सूचना भ्रामक एवं गलत है। उन्होंने यह भी दावा किया है कि वे बाजार परिस्थितियों में कार्य कर रहे हैं और इसलिए उन्हें बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रदान किया जाना चाहिए, विशेषकर, इस तथ्य के मद्देनजर कि चीन को विश्व भर में अनेक प्राधिकारियों द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था माना जा रहा है। चीन की कंपनियों ने निवेदन किया है कि वे बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्राप्त करने के लिए नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 और 8 की अपेक्षाओं को पूरा करते हैं। चीन को चीन जनवादी गणराज्य के मूल के कुछेक पॉलिस्टर फैब्रिक्स के आयातों संबंधी पाटनरोधी कार्यवाही (ए डी 481) के मामले में यूरोपीय संघ द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान किया गया था। निर्यातक ने दावा किया है कि कंपनी के प्रमुख पणधारक, संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन और बिक्री में संलग्न अथवा उससे संबद्ध नहीं हैं।

18. चीन की कंपनी द्वारा दायर किए गए निवेदनों की जांच करने पर यह पाया गया कि कंपनी का अधिकांश सौदा, राज्य स्वामित्व वाली कंपनियों के साथ किया गया है। मै0 शांगजी सान्वेई हुआ बैंग ग्रुप कं0 लि0, मै. शांगजी इकोनॉमिक कंस्ट्रक्शन एंड इनवेस्टिंग कंपनी तथा मै0 शांगजी इकोनॉमिक एंड ट्रेडिंग एसेट मैनेजमेंट, राज्य स्वामित्व वाली सत्ताओं का चीन की प्रमुख कंपनी में एक प्रमुख हिस्सा है, जिन्होंने उत्तर दिया है और इस जांच में बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार हेतु दावा किया है। कंपनी ने दावा किया है कि उन्होंने जून 1997 से जनता को राज्य स्वामित्व वाले शेयर के विनिवेश की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है और जांच अवधि तक *** से अधिक के शेयर जनता को अन्तरित कर दिए जाएंगे। उपर्युक्त सूचना के आधार पर कंपनी के निर्णयों में अत्यधिक हस्तक्षेप अथवा अंतर्ग्रस्तता के संबंध में राज्य की भूमिका से इंकार नहीं किया जा सकता।

19. कंपनी के निदेशकों के संबंध में यह पाया गया है कि अधिकांश निदेशकों की नियुक्ति ऐसे राज्य स्वामित्व वाली कंपनियों से की जाती है जिनके पास सबसे अधिक शेयर होते हैं, अतः कंपनी के निर्णयों में राज्य की भूमिका से इंकार नहीं किया जा सकता। चूंकि कंपनी के प्रमुख कार्यकारी भी राज्य स्वामित्व वाली कंपनियों से लिए जाते हैं, अतः दिन प्रतिदिन के नियंत्रण पर कंपनी के प्रचालनों में राज्य स्वामित्व वाली कंपनियों के अत्यधिक हस्तक्षेप से इंकार नहीं किया जा सकता। मै0 शांगजी सान्वेई हुआ बैंग ग्रुप कं0 लि0 एक राज्य स्वामित्व वाली कंपनी है, जिसके पास शांगजी प्रांत के राज्य स्वामित्व वाली परिसंपत्तियों, पर्यवेक्षण एवं प्रशासनिक कमीशन का एक बड़ा हिस्सा है इसलिए चीन की कंपनी द्वारा किए गए दावे के संबंध में उनके द्वारा दबाव अथवा अत्यधिक हस्तक्षेप को नकारा नहीं जा सकता।

20. ऐसे देश में संबद्ध फर्मों की कीमत, लागत एवं कच्ची सामग्री, प्रौद्योगिकी एवं मजदूरी लागत सहित निविष्टियां, उत्पादन बिक्री एवं निवेश संबंधी निर्णय, आपूर्ति एवं मांग दर्शाने वाले बाजार संकेतकों के आधार पर तथा इस संबंध में राज्य के अधिक हस्तक्षेप के बिना और इस बात को परवाह किए बिना लिए जाते हैं कि क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत से बाजार मूल्य पर्याप्त रूप से प्रदर्शित होते हैं अथवा नहीं। राज्य स्वामित्व वाली कंपनियों के शेरधारिता के मद्देनजर चीनी कंपनी अपने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के दावे के समर्थन में लागत एवं कीमत संरचना को बाजारोन्मुखी साबित नहीं कर सकी जो उनके द्वारा प्रदत्त आंकड़ों/सूचना के सत्यापन के अधीन है।

मै0 हुबेई यिहुआ केमिकल इंडस्ट्री क.लि., चीन जन.गण.

21. हुबेई एक संयुक्त स्टॉक कंपनी लि. है जो चीन जन.गण. के कानूनों के तहत कार्य करती है। उन्होंने दावा किया है कि वे बाजार परिस्थितियों में कार्य कर रहे हैं और इसलिए बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रदान किया जाना चाहिए, विशेष रूप से इस तथ्य के मद्देनजर कि चीन को विश्व भर में अनेक प्राधिकारियों द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था माना जा रहा है। चीन की कंपनियों ने दावा किया है कि वे बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्राप्त करने के लिए नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 और 8 की अपेक्षाओं को पूरा करते हैं और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 1 - 6 के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु आग्रह किया है। कंपनी के दो मुख्य पणधारक, राज्य स्वामित्व वाली चीन की कंपनियाँ हैं और उसके सदस्य, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं कंपनी के निदेशक मंडल में निदेशकों के पद पर कार्यरत हैं। यह भी देखा गया है कि निदेशक मंडल के अधिकांश निदेशक राज्य स्वामित्व वाली पणधारक कंपनियों से संबद्ध हैं। संस्था के अन्तर्नियमों से यह भी नोट किया गया है कि आम बैठक के पास निदेशकों को

चुनने और हटाने का अधिकार होता है। चूंकि इस कंपनी के प्रमुख पणधारक राज्य स्वामित्व वाली कंपनियों से होते हैं इसलिए दिन प्रतिदिन के कार्यकलापों में लिए जाने वाले निर्णयों में राज्य के अत्यधिक हस्तक्षेप को नकारा नहीं जा सकता। यह भी देखा गया है कि इस कंपनी का अध्यक्ष, राज्य स्वामित्व वाली कंपनी के अध्यक्ष के रूप में कार्य करता है अतः प्रमुख निर्णयों में, राज्य के अत्यधिक हस्तक्षेप से इंकार नहीं किया जा सकता।

22. प्रमुख कच्ची सामग्रियों के आपूर्तिकर्ताओं के नाम और उनके व्यापार लाइसेंस उपलब्ध नहीं कराए गए हैं जिससे यह दर्शाया जा सके कि अधिप्राप्ति बाजार दरों पर हुई है अथवा राज्य ने आंशिक अथवा पूर्ण रूप से कच्ची सामग्री एवं अन्य आयातों की अधिप्राप्ति की प्रक्रिया में हस्तक्षेप किया है। चीन की कंपनी ने स्वयं यह दावा किया है कि विद्युत की आपूर्ति एक राज्य स्वामित्व वाली सत्ता द्वारा की गयी है। कंपनी की आवश्यकता के अनुसार मजदूरों की व्यवस्था की गयी है और सरकार के न्यूनतम वेतन प्रावधान का पालन किया गया है। मजदूरों को भिन्न वेतन संरचना वाले विभिन्न स्तरों में बांटा गया है और चीन के कानूनों के अनुसार उन्हें चिकित्सा सेवा, पेंशन प्रावधान, बेरोजगारी बीमा, कार्य के दौरान हुई क्षति का बीमा एवं मातृत्व बीमा प्रदान किया जाता है।

23. चीन की कंपनी ने दावा किया है कि हुबेई द्वारा दिवालियापन एवं संपत्ति कानूनों के तहत व्यवसाय क्षेत्र हेतु किसी प्रकार की विशेष छूट अथवा अपकर्षण नहीं है। उन्होंने यह भी दावा किया है कि कंपनी लाभ के वितरण अथवा प्रत्यावर्तन तथा पूंजी निवेश के प्रत्यावर्तन संबंधी किसी प्रतिबंध के अधीन नहीं है।

24. कच्ची सामग्री की अधिप्राप्ति के संबंध में यह नोट किया गया है कि कंपनी द्वारा कच्ची सामग्री की अधिप्राप्ति मौके पर बाजारों से तथा अन्य कंपनियों द्वारा की जाती है। यह नोट किया गया है कि कंपनी राज्य स्वामित्व वाली सत्ताओं के पणधारकों द्वारा चलाई जा रही है अतः कंपनियों के कर्मचारियों हेतु चलाए जा रहे सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम में राज्य को शामिल होने से रोका नहीं जा सकता। यह तर्क दिया जा सकता है कि राज्य द्वारा पूर्ववर्ती राज्य स्वामित्व वाली कंपनियों के कर्मचारियों हेतु वृहद् सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम प्रारंभ किए जाने के कारण अत्यधिक खर्च हो रहा है। यह नोट किया गया है कि प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से राज्य के नियंत्रण में रहने के बावजूद पूर्ववर्ती राज्य स्वामित्व वाली चीन की कंपनियों को सीमित उत्तरदायित्व वाली कंपनियों का दर्जा दिया गया है।

25. कंपनी ने दावा किया है कि उसने चरणबद्ध ढंग से राज्य स्वामित्व वाले शेयरों के आम जनता में विनिवेश की प्रक्रिया को शुरू कर दिया है और यह दावा किया है कि उनके बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार वाले दावे के संबंध में राज्य स्वामित्व वाली कंपनियों के शेयरों पर विचार किए जाने की आवश्यकता नहीं है। इस निवेदन के आधार पर यह पाया गया कि जांच अवधि के दौरान राज्य स्वामित्व वाली कंपनियों की पणधारिता के प्रतिशत में गिरावट आई है, तथापि, प्रबंधन के निर्णयों, कच्ची सामग्री की अधिप्राप्ति और कंपनी की आपूर्ति में राज्य के प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष हस्तक्षेप अथवा अंतर्ग्रस्तता को नकारा नहीं जा सकता जो उत्पाद की लागत एवं कीमत से प्रत्यक्ष रूप से संबद्ध है। अधिकांश निदेशक राज्य स्वामित्व वाली कंपनियों से हैं और ऐसे प्रमुख कार्यकारी जिनके पास मुख्य-मुख्य निर्णय लेने की शक्तियां हैं, वे भी राज्य स्वामित्व वाली कंपनियों से हैं।

26. उनके वार्षिक लेखों से यह देखा गया है कि उनकी मूल कम्पनी मै. हुबई यिहुआ लि., लायबिल्टी कम्पनी, राज्य के स्वामित्व के उद्यमों ने जांचाधीन कम्पनी को अल्पकालिक और दीर्घकालिक ऋण प्रदान किए थे। मै. यिचांग फाइनेंस ब्यूरो ने भी कम्पनी को एक ब्याजरहित दीर्घकालिक ऋण प्रदान किया था। ये प्रथाएं सामान्य रूप से बाजारोन्मुखी प्रथाएं नहीं हैं जो बोलचाल में लाभोन्मुखी प्रथाओं के लिहाज से किसी बाजार अर्थव्यवस्था वाली व्यवस्था से भिन्न होंगी। भूमि को राज्य के स्वामित्व वाली मूल कम्पनी मै. हुबई यिहुआ ग्रुप लि., लायबिल्टी कम्पनी और राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों द्वारा पट्टे पर दिया गया है और उन्होंने राज्य को किसी विशेष हस्तक्षेप के बगैर स्वतंत्र प्रचालन के इसके दावे के लिए पट्टे पर ली गई भूमि के किराए की राशि प्रदान नहीं की है।

27. ऐसे देश में कीमतों, कच्ची सामग्री, प्रौद्योगिकी और श्रम की लागत सहित लागतों एवं निविष्टियों, उत्पादन बिक्रियों और निवेश के संबंध में संबंधित फर्मों के निर्णय मांग एवं आपूर्ति को दर्शाने वाले बाजार संकेतकों के उत्तर में लिए जाते हैं और इस संबंध में राज्य के विशेष हस्तक्षेप के बिना और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागतों से बाजार मूल्य वास्तविक रूप से प्रभावित होते हैं, चीनी कंपनी राज्य की स्वामित्व वाली कंपनियों की बड़ी शेयरधारिता के परिप्रेक्ष्य में एम ई टी के अपने दावे हेतु लागत एवं कीमत ढांचे को बाजारोन्मुखी ढांचों के रूप में प्रदर्शित नहीं कर सकी।

मै0 सिनोचेम जियांगसु इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कॉर्पोरेशन, चीन जन. गण.

28. सिनोचेम जियांगसु इम्पोर्ट एवं एक्सपोर्ट कॉर्पोरेशन, चीन जन. गण. (निर्यातक) ने अधूरी सूचना दाखिल की है लेकिन संबद्ध वस्तुओं के उत्पादक ने उत्तर दाखिल नहीं किया है। सिनोचेम ने सामान्य मूल्य के निर्धारणार्थ उत्पादन लागत और गृह बाजार में घरेलू बिक्री कीमतों के संबंध में सूचना प्रस्तुत नहीं की है। निर्यातक ने निर्यातक प्रश्नावली में जांच के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी द्वारा अपेक्षित विधि एवं ढंग से सूचना प्रस्तुत नहीं की है। जहां तक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के उनके दावे का संबंध है, उनको दी गई प्रश्नावली में सूचना प्रस्तुत नहीं की गई है। निर्यातक को पूर्ण सूचना प्रस्तुत करने को कहा गया है और उनको विसंगता संबंधी एक विस्तृत पत्र भेजा गया था। किए गए प्रश्न के अपने उत्तर में उन्होंने बताया है कि चूंकि संबद्ध वस्तुओं के उत्पादक ने जांच हेतु अपेक्षित सूचना प्रस्तुत नहीं की है, इसलिए संगत सूचना भेजी नहीं जा सकी। उत्तर देने वाले निर्यातक जो मै. युआन टिआन हुआ ग्रुप द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तुओं का निर्यात कर रहा है, ने उत्तर दाखिल नहीं किया है जो कि प्रश्नावली में दिए गए ब्यौरे के अनुसार दाखिल किया जाना अपेक्षित है। निर्यातक ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा किया है लेकिन अपने दावे के लिए प्राधिकारी को एम ई टी प्रश्नावली का उत्तर दाखिल नहीं किया है।

29. चीनी कंपनियों द्वारा दाखिल किए गए उत्तरों की जांच के परिप्रेक्ष्य में प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीनी कंपनियाँ एम ई टी के अपने दावे के समर्थन में पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर सकीं। यह भी नोट किया जाता है कि लागतों और कीमतों से उत्पाद की सही कीमत प्रदर्शित नहीं होगी और इसलिए इस कीमत को जांच के दौरान निर्यातक द्वारा दाखिल की गई सूचना/आंकड़ों के सत्यापन के अध्यक्षीन प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ स्वीकार नहीं किया जा सकता है। इसलिए

प्राधिकारी सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु अनुबंध- I के पैराग्राफ 1 से 6 में विनिर्दिष्ट सिद्धांतों को इन चीनी निर्यातकों के लिए लागू करने में सक्षम नहीं हैं। चीन जन. गण. से सभी निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध- I के पैरा 7 में यथानिहित गैर- बाजार अर्थव्यवस्थाओं से संबंधित नियमों के अनुसार किया जाता है। चीन जन. गण. के सभी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य का परिकलन करने के लिए पेंटाइस्थिरिटोल के विनिर्माण हेतु अंतर्राष्ट्रीय कीमत पर कच्ची सामग्री, घरेलू उद्योग के खपत संबंधी मानकों और उचित लाभ पर विचार किया गया है। अतः सामान्य मूल्य का परिकलन **** अमरीकी डालर/कि.ग्रा. के रूप में किया गया है।

निर्यात कीमत

30. शांक्सी ने जांच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तुओं के निर्यातों का बीजकवार ब्यौरा उपलब्ध कराया है। उन्होंने जांच अवधि के दौरान 517 मी. टन पेंटाइस्थिरिटोल का निर्यात किया है और निर्यात के निर्धारण हेतु इस पर विचार किया गया है। कारखाना द्वार निर्यात कीमत निकालने के लिए कंपनी ने अंतर्देशीय माल भाड़े, हैंडलिंग के कारण समायोजनों का दावा किया है जिस पर आंकड़ों के सत्यापन के अध्यक्षीन विचार किया गया है। समुद्री भाड़े और विदेशी बीमे के संबंध में प्राधिकारी ने जांच अवधि के दौरान भारत को निर्यात की गई पेंटाइस्थिरिटोल की कारखाना द्वार निर्यात कीमत निकालने के लिए सत्यापन के अध्यक्षीन अन्य सहयोगी निर्यातक द्वारा दावा किए गए समायोजनों पर विचार किया है। प्राधिकारी ने कारखाना द्वार कीमत का निर्धारण **** अमरीकी डालर/कि.ग्रा. के रूप में किया है।

31. हुबई ने जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं के भारत को किए गए निर्यातों का बीजकवार ब्यौरा उपलब्ध कराया है। उन्होंने जांच अवधि के दौरान 2464 मी. टन पेंटाइस्थिरिटोल का निर्यात किया है और निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु इस पर विचार किया गया है। कारखाना द्वार निर्यात कीमत का परिकलन करने के लिए कंपनी ने अंतर्देशीय मालभाड़े, हैंडलिंग, समुद्री मालभाड़े और विदेशी बीमे के कारण समायोजनों का दावा किया है जिस पर प्रारंभिक निर्धारण हेतु आंकड़ों के सत्यापन के अध्यक्षीन विचार किया गया है। प्राधिकारी ने कारखाना द्वार निर्यात कीमत का निर्धारण **** अमरीकी डालर/कि.ग्रा. के रूप में किया है।

चीन जन. गण. के अन्य निर्यातक/उत्पादक

सामान्य मूल्य

32. प्राधिकारी ने चीन जन. गण. के सभी अन्य निर्यातकों/उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य का परिकलन पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय कीमत पर कच्ची सामग्री, उद्योग के खपत संबंधी मानकों और उचित लाभ के रूप में किया है। अतः इसे देखते हुए सामान्य मूल्य का परिकलन **** अमरीकी डालर/कि.ग्रा. के रूप में किया गया है।

निर्यात कीमत

33. चीन जन. गण. के अन्य निर्यातकों/उत्पादकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण डीजीसीआईएंडएस द्वारा उपलब्ध कराए गए आयात आंकड़ों के आधार पर किया गया है। कारखाना

द्वार निर्यात कीमत का परिकलन करने के लिए समायोजनों पर प्राधिकारी के पास उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना के रूप में विचार किया गया है। चीन जन. गण. के सभी अन्य निर्यातकों/उत्पादकों के लिए कारखाना द्वार निर्यात कीमत का निर्धारण **** अमरीकी डालर/कि.ग्रा. के रूप में किया गया है।

स्वीडन

सामान्य मूल्य

34. मै. पर्सटोर्प स्पेशलिटी केमिकल्स ए बी, स्वीडन ने प्राधिकारी द्वारा तैयार की गई निर्यातक प्रश्नावली के संबंध में बिना कोई सूचना या आंकड़े देते हुए तीन पृष्ठ का उत्तर दाखिल किया है। उन्होंने कार्पोरेट कार्यालय और भारत में कार्यालय की सूची प्रदान की है और सहायक और संबद्ध कंपनियों की सूची उपलब्ध करायी है। उन्होंने न तो उनके घरेलू बाजार में घरेलू बिक्री कीमत और न ही संबद्ध वस्तुओं की उत्पादन लागत के संबंध में कोई सूचना दी है। सामान्य मूल्य के संबंध में किसी सूचना के अभाव में प्राधिकारी ने इस निर्यातक को असहयोगी माना है और स्वीडन के सभी निर्यातकों/उत्पादकों हेतु सामान्य मूल्य का परिकलन उपलब्ध सर्वोत्तम साक्ष्य के आधार पर पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार किया है। इसके मद्देनजर प्राधिकारी ने स्वीडन के सभी निर्यातकों/उत्पादकों हेतु सामान्य मूल्य का परिकलन कच्ची सामग्री की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों, उद्योग के खपत संबंधी मानकों और उचित लाभ मार्जिन के आधार पर किया है। इसलिए इसके दृष्टिगत सामान्य मूल्य का परिकलन **** अमरीकी डालर/कि.ग्रा. के रूप में किया गया है।

निर्यात कीमत

35. प्राधिकारी ने जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं के भारत में निर्यातों से संबंधित कोई सूचना दाखिल नहीं की है। निर्यातक प्रश्नावली के किसी उत्तर के अभाव में प्राधिकारी डीजीसीआईएंडएस द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर निर्भर रहने के लिए बाध्य हैं। डीजीसीआईएंडएस द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए विचार किया गया है और यह बताया गया है कि जांच अवधि के दौरान 2639 मी. टन के आयात हुए हैं। कारखाना द्वार निर्यात कीमत निकालने के लिए प्राधिकारी ने प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग द्वारा दावा किए गए समायोजनों पर विचार किया था। स्वीडन के सभी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए कारखाना द्वार निर्यात कीमत का निर्धारण **** अमरीकी डालर/कि.ग्रा. के रूप में किया गया है।

पाटन मार्जिन

36. ऊपर निर्धारित किए गए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के आधार पर प्राधिकारी पाटन मार्जिन का आकलन निम्नानुसार करते हैं :

निर्यातक/उत्पादक	सामान्य मूल्य	निर्यात कीमत (अम. डालर/मी. टन)	निर्यात कीमत के % के रूप में पाटन मार्जिन
मै. शांक्सी सानवेई ग्रुप कं. लि. चीन जन. गण.	***	****	61.74%

मै. हुबई यिहुआ केमिकल इंडस्ट्री कं. लि., चीन जन. गण.	****	****	27.30%
चीन जन. गण. के अन्य निर्यातक/ उत्पादक	****	****	81.55%
स्वीडन के सभी निर्यातक/ उत्पादक	****	****	65.46%

च. क्षति निर्धारण की पद्धति और कारणात्मक संबंध की जांच

च.1. घरेलू उद्योग के विचार

37. घरेलू उद्योग के विचारों का सारांश नीचे दिया गया है;

(i) क्षति के आकलन के लिए एशियन पेंट्स के कैप्टिव उत्पादन को लिया जा सकता है क्योंकि कंपनी द्वारा कुछ माल की बिक्री बाजार में भी की जाती है। मांग का आकलन घरेलू उद्योग और अन्य उत्पादकों की बिक्रियों तथा देश में कुल आयातों के आधार पर किया गया है।

(ii) संबद्ध देशों से आयातों में वृद्धि हुई है और यह वृद्धि जांच अवधि के दौरान काफी अधिक है। घरेलू उद्योग की कुल मांग और उत्पादन में संबद्ध देशों से पाटित आयातों के हिस्से में वृद्धि हुई है।

(iii) संबद्ध देशों से निर्यात कीमतों में समूची क्षति अवधि के दौरान गिरावट आयी है। घरेलू उद्योग के उत्पादन और क्षमता उपयोग में जांच अवधि के दौरान वृद्धि हुई है तथापि, जांच अवधि के दौरान बिक्री मात्रा में कमी आयी है।

(iv) घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में वृद्धि हुई है लेकिन जांच अवधि के दौरान इसमें कमी आयी है। उन्होंने बताया है कि वर्ष 2001-02 में अन्य स्रोतों से पाटनरोधी शुल्क के कारण घरेलू उद्योग एक बेहतर बिक्री कीमत वसूल करने में सक्षम रहा था लेकिन नए स्रोतों से पाटन के कारण इसमें जांच अवधि के दौरान गिरावट आयी जिसकी जांच की जा रही है।

(v) संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग ने अपनी बिक्रियां और बाजार हिस्सा गंवा दिया।

(vi) लाभप्रदता में वर्ष 2002-03 के दौरान सुधार हुआ है और जांच अवधि के दौरान इसमें गिरावट आनी शुरू हो गयी और घाटे में आ गई। संबद्ध देश से आयात कीमत से घरेलू बिक्री कीमत में अत्यधिक कटौती हो रही है। घरेलू उद्योग द्वारा कीमतों में कमी करने के बावजूद कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री नगण्य हैं। नकदी प्रवाह की स्थिति में जांच अवधि के दौरान गिरावट आयी है।

(vii) कंपनी की उत्पादकता में जांच अवधि के दौरान सुधार हुआ है।

च.2. निर्यातक/आयातक के विचार

38. निर्यातक/आयातक के विचारों का सारांश नीचे दिया गया है :

- यह निवेदन किया जाता है कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में कमी बहुत कम है। वास्तव में याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना से आयातों में कोई वृद्धि या घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट प्रदर्शित नहीं होती है।
- जांच अवधि के दौरान याचिकाकर्ता ने 106% के क्षमता उपयोग पर प्रचालन किया।
- वर्ष 2003-04 सहित याचिकाकर्ताओं की विक्रियों में वृद्धि हो रही है।
- याचिकाकर्ता का उत्पादन 6316 मी.टन तक बढ़ गया है। जांच की अवधि के अंत तक कंपनी के पास उपलब्ध स्टॉक काफी कम है।
- याचिकाकर्ता द्वारा उठाई जा रही हानि उसके उत्पादन की उच्च लागत और स्थानीय अथवा अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में प्रतिस्पर्धा करने में उसकी असमर्थता के कारण है।
- याचिकाकर्ता के उत्पादन की लागत अत्यधिक उच्च प्रतीत होती है जिसके कारण वह कटौती का दावा कर रहा है।
- याचिकाकर्ता की उत्पादकता वर्ष 2002-03 में अधिकतम रही प्रतीत होती है जिसके बाद के वर्ष में गिरावट आई और जांच की अवधि के दौरान इसमें दुबारा वृद्धि हुई।
- याचिकाकर्ता की नकदी प्रवाह स्थिति सकारात्मक रही है और कोई क्षति प्रदर्शित नहीं होती है। निवेश पर आय लाभप्रद प्रतीत होती है और कोई क्षति प्रदर्शित नहीं होती है।

च. 3 प्राधिकारी द्वारा जांच

क्षति का संचयी मूल्यांकन

39. पाटनरोधी नियमों के अनुबंध-II (iii) के अनुसार जिन मामलों में किसी उत्पाद का आयात एक से अधिक देशों से हुआ हो और उनकी एक साथ पाटनरोधी जांच हो रही है तो प्राधिकारी ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी रूप से मूल्यांकन केवल तब करेगा जब वह यह निर्धारित करता है कि (क) प्रत्येक देश से किए गए आयातों के बारे में तय किया गया पाटन मार्जिन निर्यात मूल्य के रूप में दिए गए 2 प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से किए गए आयातों की मात्रा समान वस्तु के आयातों का 3 प्रतिशत है और (ख) आयातित वस्तु और समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों को देखते हुए आयातों के प्रभावों का संचयी रूप से मूल्यांकन करना उचित है। प्राधिकारी ने पाया कि संबद्ध देशों के संबंध में पाटन का मार्जिन 2 प्रतिशत से अधिक है। इन संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा सामूहिक रूप से कुल आयातों के 84 प्रतिशत से अधिक है।

40. सूचना की जांच करने पर प्राधिकारी ने पाया कि संबद्ध देशों से आने वाली संबद्ध वस्तुओं की कीमतें लगभग तुलनीय हैं और अत्यधिक परिवर्तित नहीं होती हैं। इनका आयात एक ही टैरिफ वर्गीकरण के अंतर्गत किया गया है। आयातित उत्पाद और घरेलू उत्पाद के लिए उपयोक्ता उद्योग समान है। आयातित उत्पाद और घरेलू तौर पर उत्पादित संबद्ध वस्तुएं अंतर्परिवर्तनीय हैं जैसा कि आयातक और प्रयोक्ता की प्रतिक्रिया से पाया गया है और ये वस्तुएं एक ही बाजार में प्रतिस्पर्धा करती हैं। अतः प्राधिकारी ने आयातित उत्पादों के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों और आयातित उत्पादों और घरेलू समान उत्पाद के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के मद्देनजर घरेलू तौर पर उत्पादित समान वस्तु पर संबद्ध वस्तु के

आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन करना उपयुक्त पाया । इस जांच में घरेलू उद्योग पर संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों द्वारा क्षति के प्रभाव की संचयी रूप से जांच करना उपयुक्त है ।

41. पाटनरोधी नियमों के अनुबंध-II में दिए गए क्षति के निर्धारण के लिए सिद्धांतों में दिया गया है,

"क्षति के निर्धारण में (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान वस्तु के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव और (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव, दोनों की वस्तुपरक जांच शामिल होगी ।"

जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (iv) में निम्नानुसार उल्लेख है:-

"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में सभी संगत आर्थिक कारकों और उन संकेतकों का मूल्यांकन शामिल होगा जो उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालते हैं । इनमें शामिल हैं:- बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और वास्तविक गिरावट, घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक, पाटन मार्जिन की मात्रा; नकदी के प्रवाह पर स्वाभाविक और संभावित ऋणात्मक प्रभाव, भंडार सूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश बढ़ाने की क्षमता ।"

पाटित आयातों की मात्रा एवं बाजार हिस्सा

42. हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि विभिन्न स्रोतों से आयात की मात्रा पर विचार किया गया है और उनके साक्ष्य प्रकट नहीं किए गए हैं । हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों की जांच की गयी है और यह नोट किया गया है कि आयातों के निर्धारण के प्रयोजनार्थ सौदेवार आंकड़ों पर विचार किया गया है । संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों की मात्रा 2001-2002 के दौरान हुए 692 मी.टन से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 5620 मी.टन हो गयी है । कुल आयातों में चीन के पाटित आयातों का हिस्सा 2000-2001 के दौरान हुए 2.73 प्रतिशत से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 46.21 प्रतिशत हो गया जबकि स्वीडन के पाटित आयातों का हिस्सा उसी अवधि के दौरान 31.01 प्रतिशत से बढ़कर 40.91 प्रतिशत हो गया है ।

आयात (मी.टन)	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
चीन	56	72	1494	2981
स्वीडन	636	259	1145	2639
संबद्ध देश	692	331	2639	5620
वे देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू हैं	553	432	699	639
अन्य देश	806	771	462	192
कुल आयात	2051	1534	3800	6451
आयात (%)				
चीन	2.73	4.66	39.31	46.21
स्वीडन	31.01	16.88	30.13	40.91

संबद्ध देश	33.74	21.54	69.45	87.12
अन्य देश	66.26	78.46	30.55	12.88
कुल आयात	100	100	100	100

मांग में बाजार हिस्सा

43. संबद्ध वस्तु की घरेलू खपत/मांग घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री और भास्त में संबद्ध वस्तु के कुल आयातों के आधार पर निकाली जा सकती है। आबद्ध खपत सहित संबद्ध वस्तु की मांग 2001-02 के दौरान हुए 16530 मी.टन से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 19173 मी.टन हो गयी जबकि आबद्ध खपत सहित संबद्ध वस्तु की मांग भी इसी अवधि के दौरान 13739 मी.टन से बढ़कर 16233 मी.टन हो गयी है। मांग में जांच अवधि के दौरान 20 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है जबकि संबद्ध देशों से हुए पाटित आयातों में इसी अवधि के दौरान 53 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है।

आबद्ध सहित मांग (मी.टन)	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
कुल आयात	2051	1534	3800	6451
बिक्री (घरेलू उद्योग)	5562	5328	5344	4907
बिक्री (अन्य उत्पादक)	8917	9870	8496	7815
कुल मांग	16530	16732	17640	19173
आबद्ध को छोड़कर मांग (मी.टन)				
कुल आयात	2051	1534	3799	6451
बिक्री (घरेलू उद्योग)	5062	5328	5344	4907
बिक्री (अन्य उत्पादक)	6626	7248	5531	4875
कुल मांग	13739	14110	14675	16233

44. संबद्ध देशों से आबद्ध सहित मांग में पाटित आयातों का बाजार हिस्सा 2001-02 के दौरान हुए 4.32 प्रतिशत से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 29.31 प्रतिशत हो गया। जबकि घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा इसी अवधि के दौरान 31.58 प्रतिशत से कम होकर 25.59 प्रतिशत हो गया। इसी प्रकार संबद्ध देशों से आबद्ध को छोड़कर मांग में पाटित आयातों का बाजार हिस्सा 2001-02 के दौरान 5.04 प्रतिशत से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 34.62 प्रतिशत हो गया जबकि घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा इसी अवधि के दौरान 36.84 प्रतिशत से गिरकर 30.23 प्रतिशत हो गया है।

आबद्ध सहित मांग (%)	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
संबद्ध देश	4.32	1.98	14.96	29.31
अन्य देश	8.48	7.19	6.58	4.34

घरेलू उद्योग	31.58	31.84	30.30	25.59
अन्य उत्पादक	55.63	58.99	48.16	42.88
कुल मांग	100	100	100	100
आबद्ध को छोड़कर मांग (%)				
संबद्ध देश	5.04	2.34	17.98	34.62
अन्य देश	9.89	8.53	7.91	5.12
घरेलू उद्योग	36.84	37.76	36.42	30.23
अन्य उत्पादक	48.23	51.37	37.69	30.03
कुल मांग	100	100	100	100

घरेलू उद्योग के उत्पादन में पाटित आयातों का बाजार हिस्सा

45. यह देखा गया है कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों में पूरा जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन के संबंध में वृद्धि हुई है, सिर्फ इसमें 2002-03 के दौरान गिरावट आई है क्योंकि अन्य स्रोतों से पाटन के लिए पाटनरोधी शुल्क लगा दिया गया था, जैसा कि निम्नलिखित सारणी से देखा जा सकता है:

(मी. टन)	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
चीन	56	71	1493	2981
स्वीडन	636	259	1145	2639
संबद्ध देश	692	330	2638	5620
घरेलू उद्योग का उत्पादन	5081	6125	6002	6316
उत्पादन के संबंध में पाटित आयात (%)	14	5	44	89

क्षमता, उत्पादन और क्षमता उपयोग

46. विचाराधीन संबद्ध वस्तु की बढ़ती हुई मांग के अनुसार घरेलू उद्योग के उत्पादन में वृद्धि हुई है। उत्पादन में जांच अवधि के दौरान 100 से 124 तक वृद्धि हुई है और इसी अवधि के दौरान बढ़ती हुई मांग में 100 से 120 तक वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में भी 2001-02 के दौरान 85 प्रतिशत से जांच अवधि के दौरान 105 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है।

	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
क्षमता (मी. टन)	6000	6000	6000	6000
सूचीबद्ध उत्पादन (मी. टन)	100	100	100	100
सूचीबद्ध क्षमता उपयोग (%)	5081	6125	6002	6316
	100	120	117	124
	85	102	100	105

वृद्धि

47. यह देखा गया है कि उत्पादन में कारखानागत खपत सहित एवं उससे रहित उत्पादन और क्षमता उपयोगिता मांग दोनों में वृद्धि हुई है। तथापि, यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में कमी आई है और जांच अवधि के दौरान लगाई गई पूंजी की वापसी नकारात्मक रही है जबकि पाटित आयातों में समग्र रूप से एवं कुल मांग में वृद्धि हुई है।

विचाराधीन अवधि के दौरान कीमत का मूल्यांकन

48. संबद्ध देशों से पाटित आयातों की सी आई एफ कीमत एक मिश्रित चलन दर्शाती है। चीन से सी आई एफ निर्यात कीमत आधार वर्ष 2001-02 से 2002-03 के दौरान 116 प्रतिशत बढ़ गयी है किन्तु जांच अवधि के दौरान 87 प्रतिशत घट गयी। जांच अवधि के दौरान सी आई एफ कीमत में यह कमी घरेलू उद्योग की मात्रा को प्रभावित करती है जो कुल आयात का 37 प्रतिशत और कुल मांग में मोटे तौर पर बाजार हिस्से का 12 प्रतिशत बनता है। आधार वर्ष की तुलना में 2002-03 के दौरान स्वीडन से सी आई एफ निर्यात कीमत में 22 प्रतिशत की वृद्धि हुई है लेकिन जांच अवधि के दौरान 23 प्रतिशत की पुनः कमी आई, जांच अवधि के दौरान शेयर कीमत में आयी इस कमी ने घरेलू उद्योग की मात्रा को प्रभावित किया है जो कि कुल आयातों का 48 प्रतिशत और कुल मांग में मोटे तौर पर बाजार हिस्से का 14.5 प्रतिशत बनता है।

कीमत कटौती

49. कीमत कटौती के तथ्य को समझने के लिए संबद्ध वस्तु की घरेलू बिक्री कीमत की तुलना आयातित उत्पाद की उत्तराई कीमत के साथ की गयी थी। सभी छूटों एवं करों से संबंधित समायोजन के बाद निवल बिक्री कीमत निकाली गयी थी। प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तु की उत्तराई कीमत की तुलना घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत से की है और यह पाया है कि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत की कटौती मुख्यतः उत्तराई कीमत के कारण है। सहकारी निर्यातकों के लिए भी कटौती की जांच की गयी थी और यह पाया गया था कि पाटित आयातों की उत्तराई कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत की कटौती का कारण है। जांच अवधि के दौरान कटौती मार्जिन 9 प्रतिशत से 18 प्रतिशत की सीमा के भीतर थी।

कम कीमत पर बिक्री

50. कम कीमत पर बिक्री क्षति आकलन का एक महत्वपूर्ण संकेतक है। नुकसान रहित कीमत निकाली गयी और उसकी तुलना कम कीमत पर बिक्री के प्रसार को निकालने के लिए संबद्ध वस्तु की उत्तराई कीमत से की गयी। जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद के लिए उत्पादन की लागत पर विधिवत विचार करके घरेलू उत्पादकों के लिए नुकसानरहित कीमत का मूल्यांकन किया गया है। कमियों को कम करने के लिए क्षमता उपयोग का मानकीकरण किया गया है। विश्लेषण से यह प्रदर्शित होता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध माल का उत्तराई मूल्य जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित नुकसानरहित कीमत से काफी कम है। जांच अवधि के दौरान कम बिक्री मार्जिन 13 प्रतिशत से 26 प्रतिशत की सीमा के बीच था।

बिक्रियां

51. घरेलू उद्योग की बिक्रियों में आधार वर्ष की तुलना में वर्ष 2002-03 और 2003-04 में मात्रा के रूप में वृद्धि हुई। तथापि, संबद्ध माल की बढ़ती हुई मांग के कारण जांच अवधि के दौरान इसमें गिरावट आयी थी। वर्ष 2001-02 के दौरान मांग 100 से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 114 हो गयी है जबकि घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा इसी अवधि के दौरान घटी है।

(मी.टन)	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
बिक्रियां	5062	5328	5344	4907
सूचीबद्ध	100	105	106	97
मांग	558	253	752	1288
सूचीबद्ध	100	45	135	231
कुल बिक्री	5620	5581	6096	6195
सूचीबद्ध	100	99	108	110
मांग	16030	16732	17640	19173
सूचीबद्ध	100	104	110	120

घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

52. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि वर्ष 2001-02 के दौरान निर्माण एवं बिक्री की लागत 100 से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 116 हो गयी है जबकि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतें 100 से घटकर 111 हो गयी है। प्राधिकारी यह बात नोट करते हैं कि ऐसा कोई बाह्य कारक नहीं है जिसने घरेलू कीमतों को प्रभावित किया हो बल्कि ये पाटित आयात हैं जिन्होंने घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री कीमतें कम कर दी हैं।

पाटन मार्जिन की मात्रा

53. प्रत्येक संबद्ध देश के पाटन मार्जिन की मात्रा काफी है जैसा कि पाटन जांच में परिकलित किया गया है। ये प्रमाणित मार्जिन न्यूनतम निर्धारित मात्रा से अधिक है जैसा कि पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 के अनुबंध II के पैरा iii (क) में परिभाषित किया गया है।

2003-04 (जांच अवधि)	चीन	स्वीडन
पाटन मार्जिन	27% to 81%	65%

निरस्त ठेकों के साक्ष्य

54. घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण उनके ठेके निरस्त हो गये हैं। इस तर्क की जांच की गयी थी और प्राधिकारी को निरस्त ठेकों के कारण क्षति के संबंध में कोई साक्ष्य नहीं मिल सका। इसलिए प्राधिकारी इस मापदंड के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बारे में कोई जांच परिणाम नहीं निकाल पाए।

मालसूची

55. घरेलू उद्योग की कुल बिक्री मात्रा में वर्ष 2002-03 और 2003-04 के दौरान वृद्धि हुई है किन्तु जांच अवधि के दौरान गिरावट आई है। यह देखने में आया है कि घरेलू उद्योग की मालसूची में जांच अवधि के दौरान निरपेक्ष रूप से वृद्धि हुई है। यह भी पाया गया है कि महीनों की बिक्री मात्रा के अनुसार मालसूची में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान गिरावट आई है। इसके दृष्टिगत प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को इस मापदंड के कारण क्षति नहीं हुई है।

	इकाई	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
मात्रा	मी. टन	374	376	601	64
महीने की बिक्री के अनुसार माल सूची	%	0.80	0.81	1.18	0.12
सूचीबद्ध		100	101	148	15

निवेशित पूंजी पर आय और पूंजी वसूली की क्षमता

56. घरेलू उद्योग के लिए निवेशित पूंजी पर आय में वर्ष 2002-03 और 2003-04 के दौरान अन्य स्रोतों से पाटनरोधी शुल्क के कारण सुधार हुआ है। तथापि, इसमें जांच अवधि के दौरान स्थिति अधिक खराब और नकारात्मक हो गयी थी। यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग जिसे वर्ष 2001-02 के दौरान निवेशित पूंजी पर नकारात्मक आय प्राप्त हो रही थी, वर्ष 2002-03, 2003-04 के दौरान अपने लाभों को बढ़ाने और उनमें सुधार करने के पश्चात् संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण जांच अवधि के दौरान आय पर पुनः नकारात्मक वृद्धि होने लगी थी।

निवेशित पूंजी पर आय	इकाई	2001-02	2002-03	2003-2004	जांच अवधि
निवेशित पूंजी पर आय	%	-4.15	28.13	17.14	-2.13

लाभ/हानि

57. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट आयी है जबकि अधिक मांग के कारण जांच अवधि के दौरान उत्पादन में वृद्धि हुई है। उत्पादन की लागत कच्ची सामग्री की कीमतों में हुई वृद्धि के कारण वर्ष 2001-02 के दौरान 100 से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 114 हो गयी है जबकि जांच अवधि के दौरान बिक्री कीमत में इस अनुपात में वृद्धि नहीं हुई है। यह देखा गया है कि उत्पादन की लागत में वृद्धि हुई है जबकि इसी अवधि के दौरान उत्पाद की बिक्री कीमत में गिरावट आई है और इस कारण घरेलू उद्योग आधार वर्ष के दौरान हुए घाटे की वसूली वर्ष 2003-04 तक उचित लाभ से कर पाया किन्तु जांच अवधि के दौरान पुनः घाटा हो गया था। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में ताइवान, कनाडा और जापान से हुए आयातों के विरुद्ध मार्च, 2002 से पाटनरोधी शुल्क लगाने के कारण वर्ष 2002-03 और 2003-04 के दौरान सुधार हुआ।

रु०/प्रति किग्रा.	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
बिक्री कीमत	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	116	123	111
उत्पादन लागत	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	99	108	114
लाभ/हानि	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	174	138	-150

रोजगार

58. घरेलू उद्योग के रोजगार स्तर में जांच अवधि के दौरान सुधार आया है तथा प्रति कर्मचारी बिक्री मात्रा में भी जांच अवधि के दौरान सुधार आया है। प्रति कर्मचारी बिक्री मात्रा में भी वर्ष 2001-2002 से 2003-2004 में वृद्धि हुई है लेकिन जांच अवधि के दौरान इसमें गिरावट आई है। यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग एक बहु उत्पाद कम्पनी है इसलिए प्रति बिक्री कम्पनी का रोजगार स्तर घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्णायक संकेतक नहीं हो सकता। यह नोट किया जाता है कि रोजगार के स्तर में परिवर्तन से घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है।

कर्मचारी	इकाई	2001-2002	2002-2003	2003-2004	जांच अवधि
कर्मचारियों की संख्या	संख्या	73	70	72	79
मात्रा तथा प्रति कर्मचारी बिक्री	मी. टन	77	80	85	78
सूचीबद्ध		100	104	110	102

उत्पादकता

59. प्रति कर्मचारी उत्पादन के रूप में परिलक्षित घरेलू उद्योग की उत्पादकता में वर्ष 2002-2003 के दौरान वृद्धि हुई तथा इसमें जांच अवधि के दौरान पुनः गिरावट आई। प्रति कर्मचारी उत्पादकता में वर्ष 2001-2002 में 100 से जांच अवधि के दौरान 114 तक वृद्धि हुई है। इसलिए यह नहीं कहा जा सकता कि उत्पादकता में गिरावट के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

उत्पादकता	इकाई	2001-2002	2002-2003	2003-2004	जांच अवधि
कर्मचारियों की संख्या	सं०	73	70	72	79
उत्पादन	मी. टन	5081	6125	6002	6316
प्रति कर्मचारी उत्पादन	मी. टन	70	88	83	80
सूचीबद्ध		100	125	119	114

मजदूरी तथा वेतन

60. घरेलू उद्योग के प्रति कर्मचारी मजदूरी तथा वेतन में जांच अवधि के दौरान वृद्धि हुई। इसमें 2000-2001 के दौरान 100 से जांच अवधि के दौरान 135 तक वृद्धि हुई जबकि उत्पादन की प्रति इकाई मजदूरी में भी 2001-2002 के दौरान 100 से जांच अवधि के दौरान 109 तक वृद्धि हुई। यह नोट किया जाता है कि इस मापदण्ड के आधार पर घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है।

मजदूरी तथा वेतन	2001-2002	2002-2003	2003-2004	जांच अवधि
लाख रु./वार्षिक	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	110	128	135
उत्पादन की प्रति इकाई मजदूरी (रु./किग्रा.)	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	91	109	109

नकद प्रवाह

61. घरेलू उद्योग एक बहु उत्पाद कम्पनी है जो अन्य उत्पादों का भी उत्पादन करती है। घरेलू उद्योग का नकद प्रवाह समग्रतः कम्पनी से संबंधित प्रचालनों का सूचक है। तथापि, प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद के संबंध में नकद लाभ के रूप में घरेलू उद्योग के निष्पादन की जांच की है। घरेलू उद्योग के नकद लाभ की जांच करने पर यह पाया गया कि कम्पनी के नकद लाभ में 2002-2003 के दौरान वृद्धि हुई जब अन्य स्रोतों से पाटित आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाया गया; तथापि इसमें अन्य स्रोतों से पाटित आयातों के कारण आगे गिरावट आई तथा यह जांच अवधि के दौरान ऋणात्मक हो गया। विचाराधीन उत्पाद के संबंध में घरेलू उद्योग का नकद लाभ निम्नानुसार है :-

	2001-2002	2002-2003	2003-2004	जांच अवधि
नकद लाभ (रु./लाख)	****	****	****	****
सूची	-100	433	360	-6

च.4 क्षति संबंधी निष्कर्ष

62. क्षति संबंधी मापदण्डों की जांच करने पर, प्राधिकारी द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संबंध में निम्नलिखित निष्कर्ष दिए गए हैं :-

- संबद्ध देश से आयातों में निरपेक्ष रूप से अत्यधिक वृद्धि हुई है।
- आयात घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों में अत्यधिक कीमत कटौती कर रहे हैं।
- घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में 2002-2003 तथा 2003-2004 के दौरान बेहतर निष्पादन के बाद गिरावट आई जिससे जांच अवधि के दौरान वित्तीय घाटा हुआ। लगाई गई पूंजी पर आय में भी जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण गिरावट आई।
- संबद्ध वस्तुओं की बढ़ती मांग के साथ उत्पादन, क्षमता उपयोग में सुधार हुआ है तथापि आबद्ध सहित अथवा आबद्ध रहित दोनों में ही कुल मांग में घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई है।
- याचिकाकर्ता कम कीमत पर बिक्री का सामना कर रहा है क्योंकि संबद्ध वस्तुओं का पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से कम है।
- घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

छ. कारणात्मक संबंध तथा अन्य कारक**(क) पाटित आयातों के प्रभाव**

63. वर्ष 2001-2002 तथा जांच अवधि के बीच संबद्ध देशों से पाटित आयातों में मात्रा में संबद्ध देशों से कुल आयातों के भाग के रूप में 51% तक अत्यधिक वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में 2001-2002 में 31.58% से जांच अवधि के दौरान 28.92% तक इसी अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बढ़ी हुई मांग में 14% तक गिरावट आई। कीमतों के प्रभाव की जांच करने में कि क्या पाटित आयातों से भारत में समान उत्पाद की कीमतों में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है प्राधिकारी ने यह पाया कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमतों से कम थे जिसके फलस्वरूप घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों में अत्यधिक कीमत कटौती हुई। इसके अलावा, घरेलू कीमतों में कटौती पाटित आयातों का सम्पूर्ण प्रभाव नहीं दर्शाती - क्योंकि कम पहुंच मूल्य के कारण घरेलू कीमतों में ह्रास हुआ था। यह पाया गया है कि कीमत कटौती तथा आयातों के पहुंच मूल्य के कीमत संबंधी व्यवहार से घरेलू उद्योग की कीमतों की उत्पादन की लागत से भी कम तक घटाने को बाध्य होना पड़ा जिसके फलस्वरूप घरेलू उद्योग को वित्तीय घाटा हुआ। घरेलू उद्योग बिक्री कीमत में पाटित आयातों के कारण उत्पादन की लागत में वृद्धि के परिणामस्वरूप वृद्धि नहीं कर सका तथा जांच अवधि के दौरान इसे वित्तीय घाटा हुआ। इस कटौती तथा साथ ही सामू कीमत ह्रास से घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में कमी आई। घरेलू उद्योग को जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के कारण वास्तविक क्षति उठानी पड़ी।

अन्य कारकों के प्रभाव**(क) अन्य घरेलू उत्पादकों का निष्पादन**

64. जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं के आवेदक के अलावा दो अन्य घरेलू उत्पादक हैं। संबद्ध वस्तुओं का उत्पादक मे0 एशियन पैण्ट्स मुख्यतः खपतकर्ता है तथा सौदा बाजार में प्रतिस्पर्धा नहीं करता जबकि दूसरा उद्योग मे0 पेरस्टार्प एजीस स्वीडन से संबद्ध वस्तुओं का स्वयं आयातक है तथा वह घरेलू उत्पादक का एक हिस्सेदार नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित तथा बिक्रित अन्य उत्पादों का निष्पादन घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारक नहीं है। इसलिए अन्य घरेलू उत्पादकों के निष्पादन का घरेलू उद्योग के निष्पादन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।

(ख) व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार तथा विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा

65. प्राधिकारी ने भारतीय उत्पादकों तथा अन्य प्रतिस्पर्धी उद्योगों द्वारा अनुसरित कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार नहीं पाया। घरेलू मांग तथा उनके अपने उत्पादन के बीच अंतराल को पाटने में घरेलू उद्योग की असमता जिससे घरेलू उद्योग को कोई क्षति हुई हो, के संबंध में यह देखा जा सकता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने का अर्थ घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की आपूर्ति के लिए आपूर्तिकर्ता तथा उत्पादकों पर किसी किस्म का प्रतिबंध नहीं है।

(ग) मांग में कमी अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन

66. यह नोट किया जाता है कि विचाराधीन अवधि के दौरान कुल मांग में कोई संकुचन नहीं है। इसके उलट, कुल मांग जांचाधीन अवधि के दौरान 14% तक बढ़ी है। संबद्ध वस्तुओं की मांग कैप्टिव सहित खपत तथा कैप्टिव रहित खपत दोनों स्थितियों में जांचाधीन अवधि के दौरान बढ़ी है इसलिए मांग में

संभावित गिरावट ऐसा कारक नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को कोई क्षति हुई हो। खपत के ढंग में परिवर्तन के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा कोई तर्क नहीं दिया गया है अतएव घरेलू उद्योग को इससे कोई क्षति नहीं हुई है।

(घ) पाटित कीमतों पर नहीं बेचे गए आयातों की मात्रा एवं कीमत

67. यह नोट किया जाता है कि ताइवान, जिस पर मार्च, 2002 से पाटनरोधी शुल्क लागू हैं, को छोड़कर संबद्ध देशों से इतर देशों से आयात निर्धारित न्यूनतम सीमा से कम है। उपलब्ध सूचना के अनुसार, संबद्ध देशों से इतर देशों के मूल की संबद्ध वस्तुओं की कुल आयात मात्रा में 51% की कमी हुई है और माँग में उनका बाजार हिस्सा वर्ष 2001-02 के दौरान 8.48% से घटकर जांच अवधि के दौरान 4.56% रह गया है। अतः यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से आयातों का समग्र रूप से घरेलू उद्योग की क्षति में कोई योगदान नहीं है।

(ङ.) प्रौद्योगिकी में विकास, घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन तथा उत्पादकता

68. किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने इस संबंध में कोई मुद्दा नहीं उठाया है कि प्रौद्योगिकी घरेलू उद्योग को हुई क्षति का एक कारण है। इसके मद्देनजर प्राधिकारी मानते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा प्रयुक्त प्रौद्योगिकी संबद्ध देशों के विदेशी उत्पादकों द्वारा भी प्रयोग की जाती है और इसलिए इससे घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती है।

69. घरेलू उद्योग ने जांच अवधि और पिछले वर्षों के दौरान संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन में उत्पादन और क्षमता उपयोग में सुधार के कारण सुधार हुआ है। क्षति संबंधी जांच के प्रयोजनार्थ घरेलू और निर्यात बिक्री की लाभप्रदता को अलग-अलग किया गया है। अतः क्षति, यदि निर्यात के कारण कोई हो, तो उसके लिए घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग के निष्पादन को जिम्मेदार नहीं ठहराया गया है।

70. जहाँ तक घरेलू उद्योग की उत्पादकता का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान उत्पादकता में सुधार हुआ है। इस प्रकार उत्पादकता घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं हो सकती है।

ज. भारतीय उद्योग का हित एवं अन्य मुद्दे

71. प्राधिकारी मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य आम तौर पर पाटन के अनुचित व्यापार कार्यकलापों से घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति पुनः बहाल हो सके।

72. प्राधिकारी यह भी मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबद्ध वस्तुओं का प्रयोग करने वाले प्रयोक्ता उद्योग के कीमत स्तरों पर प्रभाव पड़ सकता है और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है, किन्तु, पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी। इसके विपरीत, पाटनरोधी उपायों को लागू करने से पाटन द्वारा प्राप्त हुए अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का हास रूकेगा और उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी।

(झ) पहुँच मूल्य

73. इस उद्देश्य के लिए आयातों का पहुँच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9 और 9क के तहत लगाए गए अतिरिक्त सीमाशुल्क को छोड़कर सभी प्रकार के शुल्कों सहित सीमाशुल्क अधिनियम 1962 के अधीन सीमाशुल्क द्वारा यथा आकलन योग्य मूल्य होगा।

(प्र) निष्कर्ष

74. पूर्वोक्त पर विचार करते हुए प्राधिकारी निम्नलिखित निष्कर्ष पर पहुँचे हैं :-

(i) भारत को संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं का इसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर निर्यात किया गया है।

(ii) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

(iii) घरेलू उद्योग को यह क्षति संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण हुई है।

(iv) इस प्रकार प्राधिकारी संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 29 के अंतर्गत आने वाली संबद्ध वस्तु के आयातों के संबंध में अनंतिम पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करना आवश्यक समझते हैं।

(v) प्राधिकारी पाटन मार्जिन या क्षति मार्जिन, जो भी कम हो, से कम के पाटनरोधी शुल्क की राशि की सिफारिश करने का प्रस्ताव करते हैं और जिसे यदि लगाया जाए तो इससे घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति समाप्त हो जाएगी। क्षति के निर्धारण के प्रयोजनार्थ आयातों के पहुँच मूल्य की तुलना जांच अवधि के लिए याचिकाकर्ता कंपनियों के लिए निर्धारित क्षति रहित बिक्री कीमत के साथ की गई है।

(vi) तदनुसार, प्राधिकारी यह सिफारिश करते हैं कि चीन जन.गण. और स्वीडन के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित सीमाशुल्क टैरिफ वर्गीकरण अधिनियम, 1975 के अध्याय 29 के अंतर्गत आने वाले पेंटायरीथ्रिटॉल के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए। पाटनरोधी शुल्क निम्नलिखित तालिका के कॉलम 9 में उल्लिखित धनराशि और अमरीकी डॉलर/कि.ग्रा. में संबद्ध वस्तुओं के आयातों के अम. डॉ./मी. टन पहुँच मूल्य के बीच का अंतर होगा जिसे निम्नलिखित देशों के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 29 के अंतर्गत आने वाली संबद्ध वस्तुओं के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से लगाया जाना है।

क्र.सं.	उप शीर्ष	माल विवरण	विनिर्देशन	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	माप की इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1	2905	पेंटायरिथ्रिटॉल	कोई	चीन	चीन	मै. शांक्सी, चीन	मै. शांक्सी, चीन	1511.9.45	मी. टन	अम. डॉ.
2	2905	पेंटायरिथ्रिटॉल	कोई	चीन	चीन	मै. शांक्सी, चीन	कोई उत्पादक	1511.9.45	मी. टन	मी. टन
3	2905	पेंटायरिथ्रिटॉल	कोई	चीन	चीन	मै. हुबई, चीन	मै. हुबई, चीन	1511.9.45	मी. टन	अम. डॉ.
4	2905	पेंटायरिथ्रिटॉल	कोई	चीन	चीन	मै. हुबई, चीन	कोई निर्यातक	1511.9.45	मी. टन	अम. डॉ.
5	2905	पेंटायरिथ्रिटॉल	कोई	चीन	चीन	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	1511.9.45	मी. टन	अम. डॉ.
6	2905	पेंटायरिथ्रिटॉल	कोई	चीन	कोई	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	1511.9.45	मी. टन	अम. डॉ.
7	2905	पेंटायरिथ्रिटॉल	कोई	स्वीडन	स्वीडन	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	1511.9.45	मी. टन	अम. डॉ.

ड. आगे की प्रक्रिया

75. प्रारंभिक जांच परिणामों को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी :

- प्राधिकारी सभी हितबद्ध पार्टियों से इन जांच परिणामों के बारे में टिप्पणियाँ आमंत्रित करेंगे और उन पर अंतिम जांच परिणामों में विचार किया जाएगा;
- प्राधिकारी द्वारा निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्ताओं तथा अन्य ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को अलग से लिखा जा रहा है, जो पत्र प्रेषित किए जाने की तारीख से 40 दिनों के अंदर अपने विचार प्रस्तुत कर सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पार्टी भी इन जांच परिणामों के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकती है;
- प्राधिकारी आवश्यक सीमा तक और आगे जांच करेंगे;
- प्राधिकारी सभी हितबद्ध पार्टियों को मौखिक अनुरोध करने का अवसर प्रदान करेंगे जिसके लिए सभी ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को तारीख और समय अलग-अलग बताया जाएगा।
- प्राधिकारी द्वारा अंतिम निष्कर्षों की घोषणा करने से पूर्व आवश्यक तथ्यों का खुलासा किया जाएगा।

क्रिस्टी फेर्नांडेज, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 5th August, 2005

PRELIMINARY FINDINGS

Sub. : Anti-Dumping Investigation concerning imports of Pentaerythritol originating in or exported from China PR and Sweden.

No. 14/16/2004-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995(hereinafter referred to as AD Rules), thereof:

A. PROCEDURE

1. The procedure described below has been followed with regard to the investigation:

i) The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the above Rules, received an application filed by M/s. Kanoria Chemicals and Industries Ltd., on behalf of the domestic industry, alleging dumping of Pentaerythritol(hereinafter referred to as subject goods or Penta) originating in or exported from China PR and Sweden (hereinafter referred to as subject countries).

ii) Preliminary scrutiny of the application filed by the applicant revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the applicant. The application was, therefore, considered as properly documented.

iii) The Authority on the basis of evidence submitted by the applicant found it appropriate to initiate the investigation concerning imports of subject goods originating in/or exported from China PR and Sweden. The authority notified the Embassy of China PR and the representative of European Union in New Delhi about the receipt of dumping allegation before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-Rule 5(5) of the Rules.

iv) The Authority issued a public notice dated 4.2.2005 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigations concerning imports of the subject goods classified under chapter 29 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975 originating in or exported from China PR and Sweden.

v) The Authority forwarded a copy of the public notice to the known exporters (whose details were made available by the applicant) and gave them opportunity to make their views known in writing within forty days from the date of the letter in accordance with the Rule 6(2):

- vi) The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known importers (whose details were made available by the applicant) of subject goods in India and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of issue of the letter in accordance with the Rule 6(2).
- vii) Request were made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) and Director General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S), Kolkata to arrange details of imports of subject goods made in India for the period of investigation and preceding three years.
- viii) The Authority provided a copies of the non confidential version of the application to the known exporters and the Embassy/territory of the subject countries in accordance with Rules 6(3) supra. A copy of the non-confidential application was also provided to other interested parties, wherever requested.
- ix) The Authority sent a questionnaire to elicit relevant information to the following known exporters/producers, in accordance with the Rule 6(4):
1. M/s. Hubei Yihua Group Limited Liability Company, China PR
 2. M/s. Guizhou Crystal Chemical Co., Ltd., China PR
 3. M/s. China National Chemicals Construction Corporation, China PR,
 4. M/s. Perstorp Specialty Chemicals, Sweden
- x) A questionnaire was sent to the following known importers/user associations of the subject goods for necessary information in accordance with Rule 6(4):
1. M/s. Vibgyor Paints Pvt. Ltd., Mumbai
 2. M/s. Sanman Trade Impex Pvt. Ltd., Mumbai
 3. M/s. Saraf Chemicals Ltd., Mumbai
 4. M/s. Alcon Enterprises, Kolkata
 5. M/s. A.V.M. Sales Pvt. Ltd., Kolkata
 6. M/s. Ciba Speciality Chemicals (India) Ltd., Mumbai
 7. M/s. Decro Paints, Hyderabad
 8. M/s. Dujodwala Paper Chemicals Ltd., Raigad
 9. M/s. Gargi Industries Prop. Navi Mumbai
 10. M/s. Mitsu Industries Ltd., Mumbai
 11. M/s. Resins & Pigmenhts, Pithampur (MP)
 12. M/s. Chemi Colour Agency, Kolkata
 13. M/s. Shalimar Paints Ltd., Hawra
 14. M/s. Dujodwala Paper Chemicals, Mumbai
 15. M/s. Eastcorp International, Kolkata
 16. M/s. Garware Polyester Ltd., Mumbai
 17. M/s. H.R. Trading Co., Pvt. Ltd., Mumbai
 18. M/s. Leo Chemoplast Pvt., Ltd., Mumbai
 19. M/s. Samir Dye Chem. Mumbai
 20. M/s. Berger Paints India Ltd., Mumbai

21. M/s. Century Inka Limited, Mumbai
22. M/s. Addison Paints & Chemicals, Chennai
23. M/s. Coates of India Ltd., Mumbai
24. M/s. Hardcastle & Waul Mafg. Co., Ltd., Mumbai
25. M/s. Goodlass Nerolac Paints Ltd., Mumbai
26. M/s. Hero Dye Chem Industries, Mumbai
27. M/s. Hindustan Inks & Resins Ltd., Mumbai
28. M/s. IVP Ltd., Thane
29. M/s. Jenson & Nicholson (I) Ltd., Kolkata
30. M/s. Paras Dyes & Chemicals, Mumbai
31. M/s. Perstorp Aegies Chemicals Pvt. Ltd., Valsad

xi) A market economy questionnaire (MET) was forwarded to all the known exporters and the Bureau of Fair Trade (BOFT), Govt. of China. While for the purpose of initiation the normal value in China PR was considered based on the constructed cost of production of the subject goods in China PR. The Authority inform the known exporters that it proposes to examine the claim of the applicant in the light of para 7 and para 8 of Annexure I of Anti Dumping Rules as amended. The concern exporter/producer of the subject goods from China PR were therefore requested to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 to enable the Authority to consider whether market economy treatment be granted to cooperative exporter / producers who could demonstrate that they satisfy the criteria stipulated in the said paragraph.

xii) Response/information to the questionnaire/notification was filed by the following exporters/producers

1. M/s. Sinochem Jiangsu Import & Export Corporation, China PR(hereinafter referred to as Sinochem)
2. M/s. Hubei Yihua Chemical Industry Co., Ltd., China PR(hereinafter referred to as Hubei)
3. M/s. Shanxi Sanwei Group Co., Ltd., China PR(hereinafter referred to as Shanxi)
4. M/s. Perstorp Speciality Chemicals AB, Sweden(hereinafter referred to as Perstorp)

xiii) Response/information to the questionnaire/notification was filed by the following Importers/user/Associations:-

1. M/s Goodlass Nerolac Paint Ltd.

xiv) Information regarding injury was sought from the applicant and other domestic producers also .

xv) The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6(7).

xvi) Cost investigations were conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and the information furnished by the applicant so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.

xvii) ****In this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules on merits.

xviii) Investigation was carried out for the period starting from 1st October 2003 to 30th September 2004 (12 months) i.e. the period of investigation (POI). The examination of trends in the context of injury analysis covered the period from April 2001 - March 2002, April 2002 - March 2003 and April 2003 - March 2004 and the POI;

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE:

2. The product under consideration in the present application is Pentaerythritol originating in or exported from China PR and Sweden. It finds application in manufacture of Alkyd Resin, Rosin Esters, Plasticizers, Printing Inks, Synthetic Rubber, Stabilizers for Plastics, Modified drying oils, Detonators, Explosives, Pharmaceuticals, Core oils and Synthetic Lubricants. It is classified under Customs sub heading No 2905.42 under chapter 29 of the Customs Tariff Act, 1975. The classification is, however, indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.

3. It can be produced by electrolysis separation technology or fractional crystallisation technology. There is no difference, however, in the product properties produced through the two technologies. It can be of technical grade or nitration grade. The principal difference in the two grades is in purity, crystal size and uniformity of crystals. Both the grades are produced out of the same process, however, it is only a matter of gradation, after production and at the stage of analytical testing of the product. "Pentaerythritol" was derived from "erythritol" to indicate the presence of four hydroxyl groups and the prefix "Penta" to show that there are five carbon atoms in the molecule. Pentaerythritol is manufactured by the reaction of acetaldehyde and formaldehyde in aqueous phase in presence of an alkaline condensing agent. Technical specifications of the product are described in terms of appearance, content of Mono-pentaerythritol, melting point and ash content etc. The applicant claims that the producers such as Perstorp Aegis do not consciously undertake production of one of the two grades nor such producers can control the production of either grade, however, a producer such as petitioner can regulate the production of nitration grade to some extent, depending upon the demand. Pentaerythritol having purity above 98% and better crystal formation can be used in the explosive industry and therefore, this grade has been designated as "Nitration Grade" in commercial parlance. However,

Pentaerythritol considered as "Nitration Grade" can also be used for production of Alkyd Resins and other products (where the other grade "Technical Grade" Pentaerythritol is used). The domestic industry has submitted that the production process, however, largely results in production of "Technical Grade" and less than 2% production results in nitration grade whereas the production of Di-penta is less than 0.5%. As per ISI specifications, Monopentaerythritol must be minimum 92% w/w and it is different from Di-pentaerythritol which is beyond the scope of the present application.

4. The applicant has submitted that product being sold by Perstorp in India is Technical Pentaerythritol 95%, which is nothing but mixture of Pentaerythritol of two different purities, i.e. Technical Pentaerythritol 88% (30%) and Pentaerythritol Mono Grade 98% (70%). They have further argued that different customers require Pentaerythritol of different purities, ingredients and melting points to suit their process requirements and the product of required parameters is being supplied to the customers by mixing the product. Pentaerythritol Technical Grade, which contains Monopentaerythritol 89% is used in the manufacture of the same products as that are manufactured from Pentaerythritol (Mono) Grade containing Monopentaerythritol 98%. The purity of Pentaerythritol (mostly defined in terms of Monopenta) and other ingredients varies depending upon the molar ratio used for manufacture of the product and other process conditions. The purity of Pentaerythritol varies from min. 92% to max. 98%. Pentaerythritol of different purity are nothing but one like product and are within the scope of the present investigations. The Perstorp has submitted that they are one of the major domestic producer of the subject goods in India and manufacturer of technical Penta 95% by importing raw materials such as mono penta 98% and technical penta 89 – 90% from Sweden. They have also argued that all these three Penta are of different grades and which are covered as product under consideration. They have submitted that raw materials imported are captively consumed to manufacture Penta 95 therefore the import of the said raw material cannot cause prejudice to any other domestic industry.

5. On examination of the submissions filed by the interested party, the Authority notes that the claim of Perstorp Aegis that the imported raw materials are further processed to manufacture the subject goods under investigation was not substantiated with evidence and during the verification of the domestic industry it was found that different purities of Penta ranging from 89%-98% were used by the paint industry. The domestic industry has placed the SION norms for Penta (all grades) which implies the various grades of Penta are one like product and it was supplemented by the response of the user industry also. The technical literature available on this subject distinguishes Pentaerythritol and Dipentaerythritol as two different products not between monopenta and technical penta and none of the interested parties did produce evidence on monopenta and technical penta as two different products. The Authority notes that Pentaerythritol can be of two grades known as technical grade (TG) or nitration grade (NG), however there is no material difference

found between technical grade penta and nitration grade penta and both the grades are produced out of same process. It is only a matter of gradation which takes place at the stage of analytical testing of the product. During the course of verification of costing and sales information of the domestic industry it was established from their sales and excise register that Paint Industry is using different purities of Penta in their manufacturing setup. During the verification visit, the domestic industry had shown that during the production process less than 2% of entire production of Penta results into the production of nitration grade whereas more than 97% constitutes as technical grade and they are the like product within the meaning of AD Rules. On the basis of information made available before Authority, it is noted that merely changes in the purity along with name (which varies between 92%-98%), the imported product does not become different from Pentaerythritol, product under consideration. It is also noted, even though the product resold by Perstorp may be different from imported product and may have been processed before selling, the resold product remains Pentaerythritol only and no verifiable evidence was placed by Perstorp, India which could establish that the imported product and resold products are not like products within the meaning of the AD Rules.

6. Rule 2(d) of the AD Rules specifies that "Like Articles" means an article which is identical or alike in all respects to the product under investigation or in the absence of such an article, another article, having characteristics closely resembling those of the articles under examination. There was no difference found between the subject goods manufactured by the domestic industry and the imported product from subject countries. The subject goods produced by the applicant are commercially and technically substitutable to the imported product and hence conditions of like article are satisfied. The Authority, therefore, held that the goods produced by the domestic industry and those exported from the subject countries are like article within the meaning of the rules 2(d) of AD Rules.

C. DOMESTIC INDUSTRY

7. M/s. Kanoria Chemicals and Industries Limited have filed the application, on behalf of the domestic industry. It is a multi product company and is involved in production of number of products. The applicant has not imported the subject goods in the past three years and exporting the subject goods to number of countries. The petitioner accounts for more than 25% of the total domestic production during the POI of the subject goods in India.

8. The applicant has submitted that M/s Perstorp Aegis is the producer of the subject goods, however, they are the major importer of the subject goods from Sweden and related to the sole producer/exporter in Sweden. As regards the relationship of domestic producer to the exporter/ importer has to be examined in view of the following,

- a) one of them directly or indirectly controls the other; or
- b) both of them are directly or indirectly controlled by a third person; or

c) together they directly or indirectly control a third person, subject to the condition that there are grounds for believing or suspecting that the effect of relationship is such as to cause the producers behave differently from non related producers and finally

d) a producer shall be deemed to control another producer when the former is legally or operationally in a position to exercise or direction over latter

9. The Authority examined the submissions of the interested parties and notes that Perstorp Aegis, one of the producers of the subject goods, is an importer affiliated to the Perstorp, Sweden, therefore the Authority found it appropriate to exclude Perstorp India from the constituent of the domestic industry. Asian Paints is another producer, who is producing the product substantially for its own captive requirements. The petitioner has requested to exclude the production of Asian Paints since the production of Asian Paints may not compete in its merchant market and to that extent Asian Paints may not have experienced injury from such dumping of subject goods in Indian market, the Authority has considered appropriate at this stage to exclude production of Asian Paints for determining standing of the petitioner. The Authority notes that Perstorp, Sweden and Perstorp Aegis, India are related to each other in view of Rule 2(b), since Perstorp, India is a subsidiary of Perstorp, Sweden and therefore the latter is in a position to control the former and appropriate at this stage to exclude as a constituent of the domestic industry. In view of the above, the Authority holds that the petitioner fulfils the requisite criteria to satisfy standing and constitutes domestic industry, as required under Rule 5(a) and (b) and Rule 2(b) of AD Rules.

D. OTHER ISSUES

D.1 WHY SWEDEN NOT THE ENTIRE EU AS SUBJECT COUNTRIES

10. M/s. Perstorp has argued that the Designated Authority has erred in initiating the anti-dumping investigation against a country instead of entire European Union as a whole. The Authority has examined the arguments of the interested party and notes since the Authority proceeded in this investigation based on a written complaint against a country, therefore, it could not have suo motu added or expanded the scope of the countries. The Authority proceeds in a investigation on the basis of petition filed by the domestic industry and on the basis of prima-facie evidence made available to the Authority, the investigation is initiated. The decision of the Authority is based on the information provided by the applicant becomes the evidence for considering their request for initiating an anti-dumping investigation. The anti-dumping rules and Agreement have used both country and territory at places and both Sweden and EU is the member of WTO, therefore the argument of the interested parties is not justified.

D.2 APPEAL AGAINST THE INITIATION

11. Perstorp Aegis, India has filed an appeal against the initiation of the Authority before Hon'ble Mumbai High Court challenging the anti dumping

investigation on the grounds that (a) it is not related to Perstorp, Sweden; (b) the imported product is different from the product resold in India. The Hon'ble High Court is of the view that after considering the material on record, the Authority initiated the anti-dumping investigation in respect of Pentaerythritol originating in or exported from China PR and Sweden after excluding Perstorp as a part of domestic industry. The Hon'ble Court had upheld the action of the Authority that initiation has correctly been made on the basis of information made available to the Authority and stated that it is open to the Perstorp to establish that there is no dumping of Pentaerythritol from Sweden and there is no injury caused to the domestic industry by such imports from Sweden.

E. METHODOLOGY FOR CALCULATION OF DUMPING MARGIN AND EXAMINATION OF MARKET ECONOMY

E.1. VIEWS OF THE DOMESTIC INDUSTRY

12. The views of domestic industry have been summarised below;

- i) The domestic industry submitted that China is a non market economy country and Indian Designated Authority has also treated China as a non market economy country in anti-dumping investigations. Similarly USA and European Commission have also treated China as a non-market economy country in anti-dumping investigations.
- ii) In this investigation three Chinese companies have filed the response to the exporters questionnaire and MET questionnaire for their claim of market economy treatment. M/s. Shanxi, the producer and exporter of the subject goods has filed both the exporters questionnaire and the MET questionnaire. They have further argued that the parent company is having the major share holding of a State owned companies. Since the major share holding is in the hands of State owned companies, the interference and involvement of the State cannot be denied, therefore the market economy treatment should not given and the normal value may be constructed as per para 7 of Annexure I of AD Rules. The second Chinese company M/s. Hubei has also filed the exporter and MET questionnaire response and claimed market economy treatment. They have argued that the parent company is having the share holding of State owned companies, therefore their involvement in the decision making and procurement of raw materials of supplies cannot be denied. The third company M/s. Sinochem Jiangsu Import & Export Co., an exporter of the subject goods has filed the incomplete and insufficient non-confidential submission and also did not file their claim of market economy treatment. They have also submitted that the manufacturer of the subject goods has not filed the exporters response to the Authority, thereby normal value cannot be determined in absence of the domestic sales price or the cost of production of the manufacturer. The domestic industry has argued that these Chinese companies are non market economy

companies, therefore, their claim of MET may be rejected and normal value may be constructed as per para 7 of Annexure I of AD Rules.

E.2 EXAMINATION BY THE AUTHORITY

13. The Authority sent copies of the questionnaire to all the known exporters for the purpose of determination of normal value in accordance with Section 9A (1)(c). Responses have been received from three producer/exporters and they have claimed MET treatment on the grounds that they are operating under market economy condition irrespective of prevailing economy situation in the country without any direct or indirect State interference or influence in their business activity. Response/information to the questionnaire/notification was filed by the following exporters/producers

- i) M/s. Sinochem Jiangsu Import & Export Corporation, China PR(hereinafter referred to as Sinochem)
- ii) M/s. Hubei Yihua Chemical Industry Co., Ltd., China PR(hereinafter referred to as Hubei)
- iii) M/s. Shanxi Sanwei Group Co., Ltd., China PR(hereinafter referred to as Shanxi)

14. The Designated Authority, as per para 8(2) of Annexure I of the AD Rules for the purpose of assessing the Normal Value, proceeded with a presumption that any country that has been determined to be or has been treated as, a non-market economy country for purposes of an anti dumping investigation by the Designated Authority or by the competent authority of any WTO member country during the three years period preceding the investigation is a non-market economic country. In the past three years China PR has been treated as a non-market economy country in the anti- dumping investigations by WTO members such as EU and USA. In the instant case, China PR has been proposed to be investigated as a non-market economy Country.

15. In anti-dumping investigations concerning imports originating in China PR, normal value shall be determined in accordance with para 7 & 8 of Annexure I of the AD Rules. The Authority notes that para 7 of Annexure 1 of AD Rules provides that:

"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin."

Further Para 8 of Annexure 1 of the AD Rules (as amended) provides that:

"8 (1) The term "non-market economy country" means any country which the designated authority determines as not operating on market principles of cost or pricing structures, so that sales of merchandise in such country do not reflect the fair value of the merchandise, in accordance with the criteria specified in sub-paragraph(3)

(2) There shall be a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as, a non-market economy country for purposes of an anti dumping investigation by the Designated Authority or by the competent authority of any WTO member country during the three year period preceding the investigation is a non-market economic country;

Provided, however, that the non-market economy country or the concerned firms from such country may rebut such a presumption by providing information and evidence to the designated authority that establishes that such country is not a non-market economy country on the basis of the criteria specified in sub-paragraph (3)."

16. It is noted that the responding Chinese Companies furnished information/ evidence as mentioned in para 8(3) of Annexure 1 of AD Rules to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether;

- a) the decision of concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and
- d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate;

M/s. Shanxi Sanwei Group Co., Ltd., China PR

17. The Chinese exporter has argued that injury has been caused to the domestic industry by the Chinese imports are misconceived and false. They have also

claimed that they are operating in market conditions and, therefore, market economy treatment should be accorded to it especially in view of the fact that China is being treated as a market economy by many authorities around the world. The Chinese companies have submitted that they satisfy the requirements of paragraphs 7 and 8 of Annexure -1 to the Rules for grant of market economy status. China has been granted market economy status by the European Union in the case of Anti-Dumping proceeding concerning imports of certain polyester fabrics originating in the People's Republic of China AD 481. The exporter has claimed that the principal shareholders of the company are not engaged or related to the production and sales of subject goods. The copies of Chinese and the Provincial Govt. laws are not been provided which are also required to be shown to demonstrate that the company operates in market economy condition and State is not involved in the operation of day to day activity and decision making of the company.

18. On examination of the submissions filed by the Chinese company it was observed that substantial holding of the company is with the State owned companies. M/s. Shanxi Sanwei Hua Bang Group Co. Ltd., M/s. Shanxi Economic Construction and Investing Company and M/s. Shanxi Economic and Trading Asset Management, State owned entities are having major share holding in the main Chinese company who has responded and claimed a market economy treatment in this investigation. The company has claimed that they have started the process of disinvestments of State owned share to the public from June 1997 and more than **** share have been transferred to the public till the POI. On the basis of above information, even if the process of disinvestments, the involvement of a State cannot be denied with regard to significant interference or involvement in the decision making of the company due to the substantial share holdings in the hands of State owned company.

19. As regards the directors in the company it is observed that majority of the directors are appointed from the State owned companies which holds the majority shares, therefore, any kind of State involvement in decision making in the company can not be denied. Since Chief executives in the company are also from State owned companies therefore, the significant interferences of State owned companies in the day to day control over the operation of the company, can not be ruled out. M/s. Shanxi Sanwei Hua Bang Group Co., Ltd., is a State owned company which is having the majority shares of State owned assets supervision and administration commission of Shanxi province, thereby the influence or significant interference on their part cannot be denied on the part of claim made by the Chinese company.

20. Regarding the decision of concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials cost of technology and labour,

output sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values, the Chinese company could not establish that the cost and pricing structures as market oriented for their claim of MET in view of the share holdings of the State owned companies subject to verification of data/information provided by them.

M/s. Hubei Yihua Chemical Industry Co., Ltd., China PR

21. Hubei is a joint stock company limited incorporated and existed under the laws of People's Republic of China. They have claimed that they are operating in market conditions and, therefore, market economy treatment should be accorded to it especially in view of the fact that China is being treated as a market economy by many authorities around the world. The Chinese companies have submitted that they satisfy the requirements of paragraphs 7 and 8 of Annexure - 1 to the Rules for grant of market economy status and requested for determination of normal value as per para 1-6 of Annex-I of AD Rules. On examination of the submissions filed by the Chinese company it was observed that substantial holding of the company is with the State owned companies. Two of the major share holders of the company are State owned Chinese companies and they are holding the position of the Chairman, Vice-Chairman and many directors in the Board of directors of the company. It is also observed that the majority of the directors in the Board of directors are related to holding share holder companies which are State owned. It is also noted from the Article of Association that the general body meeting is empowered to elect and remove directors. Since the major share holders in this company are from State owned companies, the significant State interference in the decision making in day to day activity can not be denied. It is also observed that the Chairman of this company acts as the Chairman of holding share holder State owned company, therefore major decision making and significant interference of State can not be ruled out.

22. The name of suppliers of major raw materials and their business licences have not been provided to demonstrate whether the procurement has been made on the market driven prices or State has partially or wholly interfered in the process of procurement of raw materials and other imports. The Chinese company has themselves have claimed that the electricity has been supplied by a State owned entity. The other utilities mainly steam and water are captively produced. The labour is organized as per the requirement of the company and minimal wage provision of the Govt. is respected. The labour force has been divided into different slabs having different wage structure and they get medical care, pension provisions, unemployment insurance, work injury insurance and maternity insurances which are required by Chinese Law.

23. The Chinese company has claimed that there are no special exemptions or derogations whatsoever for the business sector that Hubei operates under the bankruptcy and property laws. They have also claimed that the company is not subjected to any restrictions on distribution or repatriation of profits and repatriation of capital investment.

24. As regards the procurement of raw material it is noted that raw materials are procured by the company on spot market captively and from other companies. It is noted that the company is managed by the share holders of the State owned entity therefore it is very difficult to exclude the State from any involvement in the social security programme in respect of employees of the companies. It may be argued that the substantial costs are being incurred on account of State undertaking massive social security programme towards the employees of erstwhile State owned companies. It is noted the erstwhile State owned Chinese companies are now acquired the status of limited liability companies even though they continue to be under State control, directly or indirectly.

25. The company has claimed that it has proceeded in the disinvestments process of the State owned share to the general public in a phased manner and claimed that the share of the State owned companies need not be considered for their claim of market economy treatment. On the basis of their submission it was found that the share holding percentage of the State owned companies has declined during the POI, however direct or indirect interference or involvement of the State in the decision making of the management and procurement of raw material and supplies of the company which is directly related with the costs and prices of the product can not be denied. The majority of the directors are from the State owned companies and the Chief executives who have the major decision making powers are from the State owned companies.

26. It is observed from their annual accounts that their parent company M/s. Hubei Yihua Group Ltd., Liability Company, State owned enterprises provided short term loan and long term loan to the company under investigation. M/s. Yichang Finance Bureau also provided a interest free long term loan to the company. These practices are generally not the market oriented practices which is in common parlance a market economy setup will differ in terms of profit oriented practices. The land has been given on lease by the parent State owned company M/s. Hubei Yihua Group Ltd., Liability Company, State owned enterprises and they have not provided the land lease amounts rentals for its claim of independent functioning without any significant interference of the State.

27. Regarding the decision of concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials cost of technology and labour, output sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values, the Chinese

company could not demonstrate that the cost and pricing structures as market oriented for their claim of MET in view of the major share holdings of the State owned companies subject to verification of data/information provided by them.

M/s. Sinochem Jiangsu Import & Export Corporation, China PR

28. Sinochem Jaingsu Import & Export Corporation, China PR (exporter) has filed the incomplete information but the producer of the subject goods did not file the response. Sinochem did not file the information with regards to cost of production and the domestic selling prices in the home market for determination of normal value. The exporter has not filed the complete information in the exporters questionnaire in the form and manner required by the Authority for the purpose of investigation. As regards their claim of non-market economy, information has not been filed in the questionnaire supplied to them. The exporter has been asked to file the complete information and a detailed deficiencies letter was sent to them. In its reply to the query raised, they have stated since the producer of the subject goods has not provided the information required for the investigation, the relevant information could not be supplied. The responding exporter who is exporting the subject goods manufactured by M/s. Yuan Tian Hua Group has not filed the response which is required to be filed as per the details provided in the questionnaire. The exporter has claimed the market economy treatment but not filed the MET questionnaire response to the Authority for its claim. In view of non submission of complete documents, the Chinese company has been treated non-cooperative.

29. In view of the examination of the responses filed by the Chinese companies, the Authority notes that the Chinese companies could not provide sufficient evidence in support of their claim of MET. It is further noted that the costs and prices would not reflect the correct price of the product and therefore, cannot be accepted for the purpose of preliminary determination subject to without verification of information/data filed by the exporters during the course of investigation. The Authority is, therefore, unable to apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 of Annexure-I for determination of normal value for these Chinese exporters. The normal value in respect of all exporters / producers from China PR is determined as per rules relating to non-market economies as contained in Para 7 of Annexure-1 of AD Rules. The raw materials for manufacturing Pentaerythritol at the international price, the consumption norms of the domestic industry and reasonable profit have been considered for constructing the normal value for all exporters/producers of ChinaPR. The normal value is therefore, constructed as US\$****/Kg.

EXPORT PRICE

30. Shanxi has provided invoice wise details of exports of subject goods to India during the period of investigation. They have exported 517 MT of Pentaerythritol during the POI and it has been considered for determination of

export price. In order to arrive at the ex factory export price the company has claimed adjustments on account of inland freight, handling which has been considered subject to verification of the data. As regards the ocean freight and overseas insurance the Authority has considered the adjustments claimed by the other cooperative exporter subject to verification, to arrive at ex-factory export price of Pentaerythritol exported to India during the period of investigation. The Authority has determined the ex-factory export price as US\$ ****/Kg.

31. Hubei has provided invoice wise details of exports of subject goods to India during the period of investigation. They have exported 2464 MT of Pentaerythritol during the POI and it has been considered for determination of export price. In order to arrive at the ex factory export price the company has claimed adjustments on account of inland freight, handling, ocean freight and overseas insurance which has been considered for the purpose of preliminary determination subject to verification of the data. The Authority has determined the ex-factory export price as US\$ ****/Kg.

OTHER EXPORTERS/PRODUCERS FROM CHINA PR

NORMAL VALUE

32. The Authority has constructed the normal value as per para 7 of Annexure-I of AD Rules for all other exporters/producers from China PR as raw materials at the international price, the consumption norms of the industry and reasonable profit. In view of this the normal value is, therefore, constructed as US\$****/Kg.

EXPORT PRICE

33. The export price is determined on the basis of import statistics made available by DGCI&S for other exporters/producers from ChinaPR. To arrive at ex-factory export price, adjustments have been considered as best information available with the Authority. The ex-factory export price is determined as US\$****/Kg for all other exporters/producers from China PR.

SWEDEN

NORMAL VALUE

34. M/s. Perstorp Speciality Chemicals AB, Sweden has filed the three page response without giving any information or data with regards to exporters questionnaire as devised by the Authority. They have provided the list of corporate office and India office and provided list of subsidiaries and related companies. They have neither provided any information regarding domestic selling price in their home market nor the cost of production for the subject goods. In absence of any information with regards to normal value the Authority has considered this exporter as non-cooperative and constructed the

normal value for all exporters/producers from Sweden based on best facts available as per Rule 6(8) of AD Rules. In view of this, the Authority has constructed the normal value for all exporters/producers from Sweden based on international raw material prices, consumption norms of the industry and reasonable profit margin. In view of this the normal value is, therefore, constructed as US\$****/Kg.

EXPORT PRICE

35. The exporter did not file any information regarding the exports of subject goods into India during the POI. In absence of any reply to the exporters questionnaire, the Authority is constrained to rely on import statistics made available by DGCI&S. The data made available by DGCI&S has been considered for determination of export price and it has been reported the imports of 2639 MT during the POI. To arrive at ex-factory export price the Authority considered the adjustments claimed by the domestic industry for the purpose of preliminary determination. The ex-factory export price is determined as US\$ ****/Kg for all exporters/producers from Sweden.

DUMPING- MARGIN

36. Based on the normal value and export price as determined above, the Authority assessed the dumping margin as under:

Exporter/Producer	Normal Value (US\$/MT)	Export Price (US\$/MT)	Dumping margin as % of Export Price
M/s. Shanxi Sanwei Group Co., Ltd., China PR	***	****	61.74%
M/s. Hubei Yihua Chemical Industry Co., Ltd., China PR	****	****	27.30%
Other exporters/producers from ChinaPR	****	****	81.55%
All exporters/producers from Sweden	****	****	65.46%

F. METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF CAUSAL LINK

F.1 VIEWS OF THE DOMESTIC INDUSTRY

37. The views of domestic industry have been summarised below;

- i) The captive production of Asian Paints may be taken for the injury assessment since the company sales some material in the market also. The demand has been assessed on the basis of sales of domestic industry and other producers and the total imports into country.
- ii) The imports from subject countries has increased and it is significant during the POI. The share of dumped imports from the subject countries has increased in total demand and production of the domestic industry.
- iii) The export prices from the subject countries have declined during the entire injury period. The production and capacity utilisation of the domestic industry has increased during the POI, however sales volume has declined during the POI.
- iv) The selling price of the domestic industry has increased but declined during the POI. They have stated that due to the anti-dumping duty from other sources in 2001-02 enabled the domestic industry to realize a better selling price but declined in the POI due to dumping from afresh sources which is being investigated.
- v) The domestic industry lost their sales and the market share due to dumped imports from subject countries.
- vi) The profitability has improved during 2002-03 and started declining and came in loss during the POI. The import price from subject country is undercutting the domestic sales price significantly. Both price undercutting and price underselling are in significant in spite of the reduction in the prices by the domestic industry. The cash flow situation has declined during the POI.
- viii) The productivity of the company has improved during the POI.

F.2 VIEWS OF THE EXPORTER / IMPORTER

38. The views of exporter/importer have been summarised below;

- It is submitted that the decline in the market shares of the domestic industry is very marginal during the period of investigation. In fact the information submitted by the petitioner does not show any surge in imports or a decline in the market share of the domestic industry.
- The petitioner operated at a capacity utilization of 106% during the POI.
- The sales of the petitioners have been increasing, including in the year 2003-2004.
- The production of the petitioner has gone upto to 6316 MT. The stocks available with the company at the end of the period of investigation are quite low.
- The losses incurred by the petitioner are on account of its high cost of production and its inability to compete in local or international markets.

- The petitioner appears to have unduly high cost of production due to which it is claiming under cutting.
- The productivity of the petitioner appears to have been at its highest in the year 2002-2003, declined in the subsequent year and again increased during the period of investigation.
- The cash flow position of the petitioner is positive and does not reflect any injury. The return of investment appears to be healthy and does not reflect any injury.

F.3 EXAMINATION BY THE AUTHORITY

Cumulative assessment of injury:

39. As per annexure-II (iii) of AD Rules, in cases where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to Anti-dumping investigation, the Authority is required to cumulatively assess effect of such imports, only when it determines that (a) the margin of dumping established in relation to imports from each country is more than 2% expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is 3% of the total imports of like article and (b) cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic product. The Authority has found that the margin of dumping in respect of subject countries is more than 2%. The volume of imports from these subject countries collectively are more than 84% of total imports.

40. On examination of information, the Authority found that the prices of the subject goods coming from subject countries are almost comparable and do not vary significantly. These have been imported under the same tariff classification. The user industry for the imported product and the domestic product is the same. Imported product and domestically produced subject goods are interchangeable which has been observed from the responses of the importer and users and these goods compete in the same market. The Authority has, therefore, found it appropriate to cumulatively assess the effect of imports of the subject goods on the domestically produced like article in the light of conditions of competition between the imported products and the conditions of competition between the imported products and domestic like product. It is appropriate to examine cumulatively the effect of injury by imports of subject goods from subject countries on the domestic industry in this investigation.

41. The principles for determination of injury set out in Annexure-II of the Anti-Dumping Rules lay down,

"A determination of injury shall involve an objective examination of both (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for like article and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products."

As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry para (iv) of Annexure-II of the Anti Dumping Rules states:

"The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilisation of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment wages growth, ability to raise capital investments."

Volume and market share in dumped imports

42. The interested parties have argued that the import volumes have been considered from different sources and the evidence of which has not been disclosed. The arguments of the interested parties have been examined and it is noted that DGCI&S transaction wise data have been considered for the purpose of determination of imports. The volume of dumped imports of subject goods from subject countries has increased from 692 MT during 2001-2002 to 5620 MT during the POI. The share of dumped imports of China has increased from 2.73% during 2000-2001 to 46.21% during POI in the total imports, whereas the share of dumped imports of Sweden has increased from 31.01% to 40.91% during the same period.

Imports (MT)	2001-02	2002-03	2003-04	POI
China	56	72	1494	2981
Sweden	636	259	1145	2639
Subject countries	692	331	2639	5620
Countries having AD duty	553	432	699	639
Other countries	806	771	462	192
Total imports	2051	1534	3800	6451
Imports (%)				
China	2.73	4.66	39.31	46.21
Sweden	31.01	16.88	30.13	40.91
Subject countries	33.74	21.54	69.45	87.12
Other countries	66.26	78.46	30.55	12.88
Total imports	100	100	100	100

Market share in demand

43. The domestic consumption/demand of the subject goods has been arrived

on the basis of domestic sales of the domestic industry and total imports of the subject goods into India. The demand of the subject goods including captive consumption has increased from 16530 MT during 2001-02 to 19173 MT during the POI whereas the demand of the subject goods excluding captive consumption has also increased from 13739 MT to 16233 MT during the same period. The demand has increased by 20% during the POI whereas dumped imports from subject countries have increased by 53% during the same period.

Demand including captive (MT)	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Total imports	2051	1534	3800	6451
Sales (domestic industry)	5562	5328	5344	4907
Sales (Other producers)	8917	9870	8496	7815
Total demand	16530	16732	17640	19173
Demand excluding captive (MT)				
Total imports	2051	1534	3799	6451
Sales (domestic industry)	5062	5328	5344	4907
Sales (Other producers)	6626	7248	5531	4875
Total demand	13739	14110	14675	16233

44. The market share of dumped imports in demand including captive from subject countries has increased from 4.32% during 2001-02 to 29.31% during the POI. Whereas the market share of domestic industry has decreased from 31.58% to 25.59% during the same period. Similarly the market share of dumped imports in demand excluding captive from subject countries has increased from 5.04% during 2001-02 to 34.62% during the POI whereas the market share of the domestic industry has decreased from 36.84% to 30.23% during the same period.

Demand including captive (%)	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Subject countries	4.32	1.98	14.96	29.31
Other countries	8.48	7.19	6.58	4.34
domestic industry	31.58	31.84	30.30	25.59

Other producers	55.63	58.99	48.16	42.88
Total demand	100	100	100	100
Demand excluding captive (%)				
Subject countries	5.04	2.34	17.98	34.62
Other countries	9.89	8.53	7.91	5.12
domestic industry	36.84	37.76	36.42	30.23
Other producers	48.23	51.37	37.69	30.03
Total demand	100	100	100	100

Market share of dumped imports in production to the domestic industry

45. It has been observed that the dumped imports from subject countries has increased in relation to the production of the domestic industry through out the investigation period, except declined during 2002-03 since anti-dumping duty was there for dumping from other sources, which may seen from the following table;

(MT)	2001-02	2002-03	2003-04	POI
China	56	71	1493	2981
Sweden	636	259	1145	2639
Subject countries	692	330	2638	5620
Production of domestic industry	5081	6125	6002	6316
Dumped Imports in relations to production (%)	14	5	44	89

Capacity, production & Capacity utilisation

46. The production of the domestic industry has increased in the increasing demand of the subject goods under consideration. The production has increased from 100 to 124 during the POI in the increasing demand from 100 to 120 during the same period. The capacity utilisation of the domestic industry has also increased from 85% during 2001-02 to 105% during the POI.

	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Capacity (MT)	6000	6000	6000	6000
Indexed	100	100	100	100
Production (MT)	5081	6125	6002	6316
Indexed	100	120	117	124
Capacity utilisation (%)	85	102	100	105

Growth

47. It has been observed that there is a growth in production, capacity utilization demand both including and excluding captive consumption. However, it is noted that the market share of the domestic industry has declined during the POI and the return on capital employed has become negative during the POI, when the market share of the dumped imports has increased both in absolute terms and in total demand.

Evaluation of price over the period under consideration.

48. The CIF export price from China has decreased during the POI. This decline in CIF price during the POI has impacted the volume of domestic industry which constitutes 37% of the total imports and roughly 12% market share in the total demand. The CIF export price from Sweden has decreased by 23% during the POI this decline in the share price during the POI has impacted the volume of domestic industry which constitutes 48% of the total imports and roughly 14.5% market share in the total demand.

Price undercutting

49. A comparison of the domestic selling price of the subject goods was made with the landed value of imported product to understand the phenomenon of undercutting. The net sales realisation was arrived after making adjustments regarding all rebates and taxes. The Authority has compared the landed value of the subject goods with net sales realization of the domestic industry and it was found that the landed value is undercutting the selling price of the domestic industry significantly. The undercutting for cooperative exporter were also examined and found that the landed value of the dumped imports is undercutting the selling prices of the domestic industry. The undercutting margin was within a range of 9% to 18% during the POI.

Price Underselling

50. Price underselling is an important indicator of assessment of injury. Non injurious price has been worked out and compared the same with the landed value of the subject goods to arrive at the extent of price underselling. The non-injurious price has been evaluated for the domestic producers by appropriately considering the cost of production for the product under consideration during the POI. In order to eliminate inefficiencies, capacity utilisation has been normated. The analysis shows that the landed value of subject goods from subject countries is much below the non-injurious price determined for the domestic industry during the period of investigation. The underselling margin was within a range of 13% to 26% during the POI.

Sales

51. The sales of the domestic industry in volume terms has increased in 2002-03 and 2003-04 compared to the base year, however it has declined during the POI in the increasing demand of the subject goods. The export sales of the domestic industry has increased during the injury period and the overall sales of the domestic industry has improved. The demand has increased from 100 during 2001-02 to 120 during the POI whereas the domestic sales volume of the domestic industry has declined from 100 to 97 during the same period.

(MT)	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Sales(Domestic)	5062	5328	5344	4907
<i>Indexed</i>	100	105	106	97
Sales(Exports)	558	253	752	1288
<i>Indexed</i>	100	45	135	231
Total Sales	5620	5581	6096	6195
<i>Indexed</i>	100	99	108	110
Demand	16030	16732	17640	19173
<i>Indexed</i>	100	104	110	120

Factors affecting domestic prices

52. The Authority notes that the costs to make and sell have increased from 100 during 2001-02 to 114 during the POI whereas selling prices of the domestic industry has decreased from 100 to 111 during the same period. The Authority notes there is no exterior factor which could have affected the domestic prices rather it is dumped imports which has suppressed the domestic selling price of the domestic industry.

Magnitude of margin of dumping

53. The magnitude of dumping margin from each of the subject countries is significant as worked out in the dumping examination. These margins established are clearly above minimis as defined in para iii(a) of the annexure II to rule 11 of the Anti dumping rules.

2003-04 (POI)	China	Sweden
Dumping Margin	27% to 81%	65%

Evidence of lost contracts

54. The domestic industry has claimed that they have lost contracts due to dumped imports from subject countries. The argument was examined and the authority could not find any evidence with regards to injury on account of loss contracts. Hence, the authority could not conclude any findings with regard with injury to the domestic industry on account of this parameter.

Inventory

55. The total sales volume of the domestic industry has increased during 2002-03 and 2003-04 but declined during the POI. It has been observed that the inventory of the domestic industry has decreased during the POI in absolute numbers. It is also found that in terms of months' sales quantity, the inventory has decreased during the POI as compared to the base year. In view of this the Authority notes that the domestic industry has not been injured on account of this parameter.

	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Quantity	MT	374	376	601	64
Inventory as month's sales	%	0.80	0.81	1.18	0.12
Indexed		100	101	148	15

Return on capital employed and ability to raise capital

56. The return on capital employed for domestic industry has improved during 2002-03 and 2003-04 due to anti dumping duty from other source, however it has deteriorated and went in negative during the POI. It is observed that the industry which was having negative return on capital employed during 2001-2002, after consolidating and improving its profit during 2002-03 2003-04 and once again went into negative growth on return during the POI due to dumped imports from subject countries.

Return on Capital employed	Unit	2001-02	2002-03	2003-2004	POI
Return on Capital Employed	%	-4.15	28.13	17.14	-2.13

Profit/Loss

57. The profitability of the domestic industry has declined when the production has increased during the POI in the increased demand. The cost of production has increased from 100 during 2001-2002 to 114 during the POI due to the increase in raw material prices whereas the selling price did not increase in the same proportion during the POI. It is observed that the cost of production has increased whereas the selling price of the product has declined in the same period and because of this reason the industry which recovered from a loss during a base year to a reasonable profit upto 2003-04, again went in loss during the POI. The Authority also notes that the profitability of the domestic industry improved during 2002-03 and 2003-04 due to antidumping duty was in force from March, 2002 against imports from Taiwan, Canada and Japan.

Rs/Kg	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Selling price	****	****	****	****
Indexed	100	116	123	111
Cost of production	****	****	****	****
Indexed	100	99	108	114
Profit / loss	****	****	****	****
Indexed	100	174	138	-150

Employment

58. The employment level of the domestic industry has improved during the POI and sales volume per employee has also improved during the POI. The volume of sales per employee has also increased from 2001-02 to 2003-04 but declined during the POI. It is noted that the domestic industry is a multi product company therefore employment levels of the company per sale may not be a conclusive indicator of injury to the domestic industry. It is noted that change in level of employment has not caused any injury to the domestic industry.

Employees	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	POI
No. of employees	Nos.	73	70	72	79
Volumes and	MT	77	80	85	78

sales per employee					
Indexed		100	104	110	102

Productivity

59. Productivity of the domestic industry, as reflected in terms of production per employee, has improved during 2002-03 and again deteriorated during the POI. The productivity per employee has improved from 100 during 2001-02 to 114 during the POI. It cannot, therefore, be said that the domestic industry has suffered injury due to decline in productivity.

Productivity	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	POI
No. of employees	Nos.	73	70	72	79
Production	MT	5081	6125	6002	6316
Productivity per employee	MT	70	88	83	80
Indexed		100	125	119	114

Wages & Salary

60. The Wages and salary per employee of the domestic industry has increased during the period of investigation. It has increased from 100 during 2000-2001 to 135 during the POI whereas wages per unit of production has also increased from 100 during 2001-02 to 109 during the POI. It is noted that the domestic industry has not been injured on account of this parameter.

Wages & Salary	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Rs. lacs/annum	****	****	****	****
Indexed	100	110	128	135
Wages per unit of production (Rs./Kg.)	2.99	2.73	3.26	3.26
Indexed	100	91	109	109

Cash Flow

61. The domestic industry is a multi product company involved in production of other products also. Cash flow of domestic industry is reflective of operations relating to company as a whole. However, the Authority has examined the performance of the domestic industry in terms of cash profit in relation to product under consideration. On examination of the cash profit of the domestic

industry it was observed that the cash profit of the company has improved during the 2002-03 when anti-dumping duty was levied on dumped imports from other sources, however it further deteriorated due to dumped imports from other sources and became negative during the period of investigation. The cash profits of the domestic industry in relation to the product under consideration have been given below.

	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Cash profits(Rs./Lacs)	****	****	****	****
Index	-100	433	360	-6

F.4 Conclusions on Injury

62. On examination of injury parameters, the following conclusions are made by the Authority regarding injury suffered by the domestic industry;

- i) Imports from the subject countries have increased significantly in absolute terms.
- ii) Imports are significantly undercutting the selling prices of the domestic industry
- iii) The profitability of the domestic industry has deteriorated during the POI after a better performance during 2002-03 and 2003-04 and resulting into financial losses during POI. The return on capital employed and cash profits have also deteriorated during the POI after showing an improvement during 2002-03 and 2003-04 due to dumped imports from subject countries.
- iv) The production, capacity utilization has improved in the increased demand of subject goods, however share of domestic industry in total demand both including and excluding captive has declined.
- v) The petitioner is suffering from price underselling as landed price of the subject goods are below the non injurious price of the domestic industry.

vi) The domestic industry has suffered material injury.

G. Causal Link And Other Factors

(a) Effect of dumped imports

63. Between 2001-02 and the POI, dumped imports from subject countries have increased significantly in volume by 53% as a proportion of total imports from the subject countries. The market share of the domestic industry has decreased from 31.58% in 2001-02 to 25.59% during the POI in the increasing demand of domestic market by 20% during the same period. In examining the price effect whether the dumped imports have significantly undercut the price of

the like product in India, the Authority found that the landed value of the subject goods from subject countries was lower than the selling price of the domestic industry thereby undercuts the selling price of the domestic industry significantly. Moreover, undercutting to the domestic prices did not show the full impact of the dumped imports since the domestic prices were suppressed due to low landed value. It is found that the price undercutting and the pricing behavior of landed value of imports has forced the domestic industry to reduce the prices even less than the cost of production, resulting in financial losses to the domestic industry. The domestic industry could not increase the selling price as a result of increase in the cost of production due to dumped imports and suffered financial losses during the POI. The undercutting along with price suppression in effect eroded the profitability of the domestic industry. The domestic industry has suffered material injury due to dumped imports of subject goods from subject countries during the POI.

EFFECT OF OTHER FACTORS

(a) Performance of Other Domestic producers:

64. There are two other domestic producers of the subject goods during the period of investigation apart from the applicant. M/s. Asian Paints the producer of the subject goods is mainly consuming and do not compete in the merchant market whereas the other industry M/s. Perstorp Aegis is themselves the importer of the subject goods from Sweden and does not constitute a part of domestic producer. The performance of other products being produced and sold by the domestic industry is not a factor of injury to the domestic industry. Therefore, the performance of other domestic producers could not have any bearing on the performance of the domestic industry.

(b) Trade restrictive practice and competition between the foreign and domestic producers

65. The Authority did not find any trade restrictive practices followed by the Indian producers and other competing industries. As regards the Domestic Industry's inability to fill the gap between the domestic demand and their own production, it may be observed that the imposition of anti-dumping duties does not amount to any kind of restriction on suppliers and producers for supplying the subject goods in the domestic market, which could have contributed to the injury to the domestic industry.

(c) Contraction of demand or Changes in the pattern of consumption

66. It is noted that there is no contraction in the overall demand during the period under consideration. On the contrary, the overall demand has increased by 20% during the POI. The demand of the subject goods has increased during the POI in both the situation including captive and excluding captive consumption, therefore, the possible decline in demand is not a factor which

could have caused injury to the domestic industry. There is no argument by interested parties regarding the change in the pattern of consumption, therefore it has not been impacted any injury to the domestic industry.

(d) Volume and Prices of imports not sold at the dumped prices

67. It is noted that the imports from countries other than subject countries are below the de minimis limits except imports from Taiwan which is attracting anti dumping duty since March, 2002. According to the available information, the total import volumes of subject goods originating in countries other than subject countries decreased by 53% and their market share in demand has come down from 8.48% during 2001-02 to 4.34% during the POI. Therefore, it is noted that imports from non subject countries in the absolute terms has not contributed any injury to the domestic industry.

(e) Developments in Technology, Export performance and productivity of the Domestic Industry

68. None of the interested parties has raised any issue regarding the technology being a factor of injury to the domestic industry. In view of this the Authority believes that the technology used by the domestic industry is also used by the foreign producers of the subject countries, therefore, could not be a cause of injury to the domestic industry.

69. The Domestic Industry has exported the subject goods during the period of investigation as well as during previous years. The Authority notes that the export performance of the domestic industry has improved due to improvement in production and capacity utilization. The profitability of the domestic and exports sales have been segregated for the purpose of the injury examination. Therefore, injury, if any caused due to exports has not been attributed to the performance of the domestic industry in the domestic market.

70. As regards the productivity of the domestic industry, the authority notes that the productivity has improved during the POI. The productivity per se could not be the cause of injury to the domestic industry.

H. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES

71. The Authority holds that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition.

72. The Authority also recognizes that though the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products, however, fair competition in the Indian

market will not be reduced by these anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by the dumping practices and would prevent the decline of the domestic industry and would help in maintaining availability of wider choice of the subject goods to the consumers.

I. LANDED VALUE

73. The landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the customs under Customs Tariff Act, 1962 and applicable level of custom duties except duties levied under Section 3, 3A, 8B, 9, 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

J. CONCLUSIONS:

74. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

- i) Subject goods originating in or exported from subject countries have been exported to India below its normal value.
- ii) The domestic industry has suffered material injury.
- iii) The injury has been caused to the domestic industry by dumped imports of subject goods originating in or exported from the subject countries.
- iv) The Authority thus considers necessary to recommend provisional anti-dumping duty on imports of subject goods falling under Chapter 29 of Customs Tariff Act originating in or exported from the subject countries.
- v) The Authority proposes to recommend the amount of anti dumping duty not exceeding the margin of dumping or the margin of injury whichever is less and, which if levied, would remove the injury to the domestic industry. For the purpose of determining injury, the landed value of imports is compared with the non injurious selling price of the petitioner companies determined for the period of investigation.
- vi) Accordingly, the Authority recommends that the provisional anti dumping duties be imposed from the date of issue of notification by the Central Government on all imports of Pentaerythritol falling under chapter 29 of Custom Tariff Classification Act 1975, originating in or exported from China PR and Sweden. The anti dumping duty shall be the difference between amount mentioned in Column No. 9 of the following table and the landed value of imports US\$/MT to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government on all imports of subject goods falling under Chapter 29 of Customs Tariff Act, originating in or exported from the countries mentioned below,

Sl. No	Sub-heading	Description of goods	Specification	Country of origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount	Unit of Measurement	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1.	2905	Pentaerythritol	Any	China	China	M/s. Shanxi, China	M/s. Shanxi, China	1419.45	MT	US\$
2.	2905	Pentaerythritol	Any	China	China	M/s. Shanxi, China	Any exporter	1419.45	MT	MT
3.	2905	Pentaerythritol	Any	China	China	M/s. Hubei, China	M/s. Hubei, China	1419.45	MT	US\$
4.	2905	Pentaerythritol	Any	China	China	M/s. Hubei, China	Any exporter	1419.45	MT	US\$
5.	2905	Pentaerythritol	Any	China	China	Any producer	Any exporter	1419.45	MT	US\$
6.	2905	Pentaerythritol	Any	China	Sweden	Any producer	Any exporter	1419.45	MT	US\$
7.	2905	Pentaerythritol	Any	Sweden	China	Any producer	Any exporter	1419.45	MT	US\$
8.	2905	Pentaerythritol	Any	Sweden	Sweden	Any producer	Any exporter	1419.45	MT	US\$
9.	2905	Pentaerythritol	Any	Sweden	China	Any producer	Any exporter	1419.45	MT	US\$
10.	2905	Pentaerythritol	Any	China	Sweden	Any producer	Any exporter	1419.45	MT	US\$

E. FURTHER PROCEDURE

75. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:

- i) The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final findings;
- ii) Exporters, Importers, Petitioner and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the dispatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;
- iii) The Authority would conduct verifications to the extent deemed necessary;
- iv) The Authority would provide opportunity to all interested parties for oral submissions, for which the date and time shall be communicated to all known interested parties separately;
- v) The Authority would disclose essential facts before announcing final findings.

CHRISTY FERNANDEZ, Designated Authority